



शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
MINISTRY OF EDUCATION
Department of School Education & Literacy



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha

विद्यालय परिचालन समितीर जन्य निर्देशिका (एस.एम.सि)



स्कुल शिक्षा ओ साक्षरता विभाग,
शिक्षा मन्त्रणालय, भारत सरकार
(मे 2026)

মে 2026
PD 0.5H BS

© ন্যাশনাল কাউন্সিল অফ এডুকেশনাল রিসার্চ অ্যান্ড ট্রেনিং, 2026

প্রকাশনা বিভাগ থেকে সচিব, ন্যাশনাল কাউন্সিল অফ এডুকেশনাল রিসার্চ অ্যান্ড ট্রেনিং, শ্রী অরবিন্দ মার্গ, নিউ
দিল্লি - 110 016 কর্তৃক প্রকাশিত এবং নারায়ণ প্রিন্টার্স অ্যান্ড বাইন্ডার্স, ডি-177-178, সেক্টর-63, নয়ডা (ইউ.
পি.) 201 301-এ মুদ্রিত



शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
MINISTRY OF EDUCATION
Department of School Education & Literacy



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha

बिद्यालय परिचालन समितीर जन्य निर्देशिका (एस.एम.सि)

स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग,
शिक्षा मन्त्रक, भारत सरकार
(मे 2026)



बार्ता

आमि एटा जेने आनन्दित ये, शिक्षा मन्त्रकेर झूल शिक्षा ओ सक्करता विभाग द्वारा विद्यालय परिचालन समिति(एस.एम.सि) निर्देशिका, 2026 जारि करा हच्चे। एहि निर्देशिकाकुलिते अस्तुर्भुक्तिमूलक शिक्षार प्रसार, अंशग्रहणमूलक विद्यालय उन्नयन परिकल्पना सुदृढकरण एवं विद्यालय, अभिभावक, स्थानीय कर्तृपक्ष, अन्यान्य विभाग एवं जनसमाजेर मध्ये पारस्परिक सहयोगिता ओ समझयके शक्तिशाली करार फेद्रे एस.एम.सि-र भूमिका ओ दायित्वकुलिके स्पष्टतावे तुले धरा ह्येच्चे।

जातीय शिक्षानीति(एन.ई.पि)-2020 अनुयायी, शिक्षा हलो, सरकार, विद्यालय, अभिभावक एवं जनसमाजेर एक योथ दायवद्धता। एन.ई.पि-2020-ते बला ह्येच्चे ये, शिक्षार्थीदेर शिखनमानोन्नयन, सामग्रिक कल्याण एवं विद्यालयेर स्वच्छता निश्चित करते गेले अभिभावक ओ साधारणमानुषेर सक्रिय अंशग्रहण एकांश प्रयोजन; विशेषकरे सुविधावहित ओ पिछिये पड़ा श्रेणिर शिशुदेर फेद्रे एटि आरओ बेशि जरुरि। आमार दृढ विश्वास ये, एकटि शक्तिशाली एवं कार्यकर विद्यालय परिचालन समिति(एस.एम.सि)प्रतिटि विद्यालये एकटि अस्तुर्भुक्तिमूलक, सहयोगितामूलक एवं फलप्रसू शिक्षार परिवेश गडे तुलते गुरुतुपूर्ण भूमिका पालन करवे।

माननीय प्रधानमन्त्रीर विकशित भारत @2047-एर रूपकले शिक्षाके रास्तिनिर्माणेर केन्द्रबिन्दुते राखा ह्येच्चे एवं जन-अंशग्रहणके सुशासनेर मूल भित्ति हिसेवे प्रतिष्ठित करा ह्येच्चे। एकटि शक्तिशाली, अस्तुर्भुक्तिमूलक एवं आत्मानिर्भर भारत निर्माण केवल तखनै संभव, यखन प्रतिटि शिशु गुणगत शिक्षा पावे एवं समाजेर प्रतिटि मानुष विद्यालयेर भविष्यं रूपयणसे सक्रियतावे अंशग्रहण करवे।

एहि प्रेक्षापटे, तृणमूल सुतेर विद्यालय शिक्षार तीत मजबुत करार फेद्रे विद्यालय परिचालन समिति (एस.एम.सि) अत्यंत गुरुतुपूर्ण भूमिका पालन करे। अभिभावक, शिक्षक एवं स्थानीय बासिन्देदेर एक छातार तलाय निये आसार माध्यमे एस.एम.सि एकदिके येमन शिक्षार्थीदेर शिखनेर मानोन्नयने साहाय्य करे, अन्यादिके विद्यालयेर स्वच्छता ओ सामाजिक समता निश्चित करते ओ बड अवदान राखे। विद्यालय परिकल्पना एवं सिद्धान्त ग्रहणेर प्रक्रियाय तांदेर एहि अंशग्रहण विद्यालयकुलोके स्थानीय चाहिदा अनुयायी परिचालित हते साहाय्य करे एवं जनसमाजेर मध्ये एकात्वाबोध ओ पारस्परिक विश्वासेर सम्पर्कके आरओ दृढ करे ताले।

विकशित भारत @2047-एर पथे आमादेर एहि यात्रा निर्भर करछे सक्क, आत्वाविश्वासी एवं दायित्वशील नागरिक गडे तालार ओपर। आर एहि जातीय लक्ष्य अर्जने सक्रिय ओ क्षमतायनसम्पन्न एस.एम.सि द्वारा परिचालित शक्तिशाली विद्यालयकुलोहो हलो प्रधान भित्ति। तृणमूल सुतेर विद्यालयेर प्रशासनिक कार्थामोके सुदृढ करार माध्यमेहि आमरा आमादेर शिशुदेर भविष्यं एवं भारतेर एक उज्ज्वल भविष्यतेर जन्य एक मजबुत भित्ति तैरि करछि।

आमार पूर्ण विश्वास ये एहि निर्देशिकाकुलि देशजुडे विद्यालयेर कार्यकर प्रशासनिक परिचालनार जन्य एकटि शक्तिशाली ओ दूरदशी रूपरेखा प्रदान करवे एवं प्रतिटि शिशुंर जन्य मानसयत, अस्तुर्भुक्तिमूलक ओ सामग्रिक शिक्षा निश्चित करते उल्लेखयोग्य अवदान राखवे।

धर्मन्द्र प्रधान

सवार जन्य शिक्षा, बालो शिक्षा

जयन्त चौधरी
JAYANT CHAUDHARY



कौशल विकास और उद्यमशीलता
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं
शिक्षा राज्य मंत्री
भारत सरकार

Minister of State (Independent Charge) for
Skill Development and Entrepreneurship
and Minister of State for Education
Government of India




वार्ता

देश गठनेर मूल केन्द्र बिन्दु हलो शिक्षा, आर एह यात्राय जन-अंशग्रहण हलो सबथे केशजिशाली चालिकाशक्ति। एकटि अस्तुर्भुक्तिमूलक एवं भविष्य-मुखी राष्ट्र गड़े तोलार जन्य आमादेर विद्यालयगुलिंर सङ्गे स्थानीय जनसमाजेर निविड संयोग थाका एकान्त प्रयोजन। समाजेर एह सक्रिय सहयोगिताह विद्यालयगुलिके शक्तिशाली ओ प्राणवस्तु करे तोले।

जातीय शिक्षनीति(एन.ई.पि) 2020-र लक्ष्य हलो, विद्यालयगुलिके एमन एकटि प्राणवस्तु प्रतिष्ठान हिसाबे गड़े तोला, येथाने अडिभावक, शिक्षक एवं स्थानीय अंशीजेनेरा प्रतिटि शिशुर सामग्रिक विकाश, उन्नत शिखन मान एवं सार्विक कल्याण निश्चित करते एकसङ्गे काज करबेन। एह भावनार मूले रयेछे विद्यालय परिचालन समिति(एस.एम.सि); या जन-अंशग्रहण, योथ दायवद्वता एवं सम्मिलित प्रचेष्टार, तृणमूल सुते एकटि शक्तिशाली माध्यम।

विद्यालय परिचालन समिति निर्देशिका, 2026, एह काठामोके आरओ शक्तिशाली करे तुलेछे। एस.एम.सि-गुलिके आरओ कार्यकर ओ क्षमतायनसम्पन्न करे तोलार लक्ष्येह एह निर्देशिकागुलो प्रणयन करा हयेछे। एर अधीने भूमिका ओ दायित्वगुलिं स्पष्टभाबे संज्जायित करा हयेछे, अस्तुर्भुक्तिमूलक ओ लिङ्ग-समताडिडिक प्रतिनिधित्व निश्चित करा हयेछे एवं दक्षता वृद्धिर ओपर विशेष गुरुत्व देओया हयेछे, याते एस.एम.सि-गुलिं विद्यालयेर प्रशासनिक परिचालना एवं शिक्षार्थीदेर उन्नयनेर क्षेत्रे अर्थवह अवदान राखते पारेन।

यखन जनसमाज तादेर स्थानीय विद्यालयेर दायित्व निजेर काँधे तुले नेय, तखन तार सुफल सबचेये बेशि पाय शिशुरा। एकटि क्षमतायनसम्पन्न एस.एम.सि अंशीदारीतु एवं पारस्परिक विश्वासेर संस्कृति गड़े तोले। प्रतिटि शिशुर साफल्येर प्रति एह योथ अङ्गीकार एकदिके येमन एन.ई.पि 2020-र लक्ष्य पूरणेर दिके एगिये निये याबे, अन्यादिके सवार जन्य मानसम्मत, न्यायसम्मत ओ सामग्रिक शिक्षा निश्चित करार पथकेओ प्रशस्त करबे।


जयन्त चौधरी

संजय कुमार, भा.प्र.से
सचिव

Sanjay Kumar, IAS
Secretary



स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
शिक्षा मंत्रालय
भारत सरकार
Department of School Education & Literacy
Ministry of Education
Government of India



वार्ता

शिक्षा, विशेष करे विद्यालय शिक्षा हला एकटि सामाजिक ओ गौणीगत धारणा एवं **जातीय शिक्षानीति (एन.ई.पि) 2020** शिक्षाके एकटि सम्मिलित सामाजिक दायित्व हिसेबे विवेचना करे। एहि शिक्षानीतिबे विकेन्द्रीभूत शासनब्यवस्था, जनसमाजके सक्रिय अंशग्रहण एवं विद्यालयके शिक्षाक्षेत्रे अडिभावकदके अंशग्रहणके ओपर विशेषे गुरुत्व देओया हयेछे। एन.ई.पि 2020 मने करे ये, विद्यालयगुलि केवल तखनहि तादके पूर्ण क्षमताय काज करते पारे, यखन स्थानीय मानुषके सङ्गे तादके निविड संयोग थाके एवं प्रतिटि शिशुके मानसिक बिकाश ओ उन्नतिक लक्ष्ये समाजके सकल सुतरेके मानुष सम्मिलितभाबे अबदान राखे।


एहि प्रेक्षापटे, स्थानीय सुतरे विद्यालयके प्रशासनिक कार्यामोके शक्तिशाली करते **विद्यालय परिचालन समिति(एस.एम.सि)**-गुलि अत्यन्त गुरुत्वपूर्ण भूमिका पालन करे। विद्यालय भित्तिक एकटि सामाजिक प्रतिष्ठान हिसेबे एस.एम.सि मूलत अडिभावक, शिक्षक एवं स्थानीय बासिन्दके एकटरे काज करार एवं विद्यालयके सहायता करार एकटि विशेषे मङ्ग प्रदान करे। विद्यालयके सठिक परिकल्पना ग्रहण, सम्पदके यथायथ ब्यवहार, शिक्षार्थीके शिखनेके मानोन्नयन एवं तादके सामग्रिक कल्याण निश्चित करते एहि कमिटीके सक्रिय अंशग्रहण अपरिहार्य। एकटि शक्तिशाली ओ कार्यकर एस.एम.सि निश्चित करे ये, विद्यालयगुलो येन अन्तर्भुक्तिमूलक हय एवं स्थानीय चाहिदार प्रति दायबद्ध ओ संवेदनशील थाके।

विद्यालयके अन्तर्गरीण परिबेशके सहयोगितामूलक करे तोला, समता निश्चित करे एवं विद्यालयके नाना सिद्धान्त ग्रहणे अडिभावक ओ जनसमाजके, विशेष करे सुविधाबन्धित श्रेणीके मानुषके मतामतके गुरुत्वके सङ्गे प्रतिफलित करार क्षेत्रे एस.एम.सि अत्यन्त तां पर्यपूर्ण भूमिका पालन करे। एर पाशापाशि, विद्यालयके प्रशासनिक परिचालनाय स्वच्छता ओ दायबद्धता बजाय राखार विषयटिओ एहि कमिटी निश्चित करे।

एहि लक्ष्यके वास्तुवायित करते एवं विद्यालयके दक्ष प्रशासनिक परिचालनके उद्देश्ये **विद्यालय परिचालन समिति निर्देशिका, 2026** प्रणयन करे हयेछे। एहि निर्देशिकाय दायित्वसमूह स्पष्टताबे सुनिर्दिष्ट करे हयेछे, तृणमूल सुतरे शासनब्यवस्था सुदृढ करार दिक्निर्देशना देओया हयेछे, अंशग्रहणमूलक विद्यालय उन्नयन परिकल्पनाके उंसहित करे हयेछे एवं विद्यालय, परिवार, स्थानीय प्रशासन ओ बृहन्तरे जनसमाजके मध्ये समन्वय साधनेके ओपर जोर देओया हयेछे। एहि निर्देशिकाटि तैरिरे समय संश्लिष्ट सकल पक्षके मतामत नेओया हयेछे, पाशापाशि समग्र शिक्षा, पूर्वतन सर्वशिक्षा अधियान (एस.एस.ए) ओ राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अधियान (आर.एम.एस.ए)-एके निर्देशिका ओ नियमावली विवेचना करे तैरि करे हयेछे। एटि कार्यकर हओयार सङ्गे सङ्गे पूर्ववर्ती सकल निर्देशावली बातिल बले गण्य हबे।

विकशित भारत @2047-एके लक्ष्ये भारतके एहि अग्रयात्राय जन-अंशग्रहणमूलक प्रतिष्ठानगुलोके क्षमतायन आर ओ गुरुत्वपूर्ण हये उठेछे। सक्रिय ओ शक्तिशाली एस.एम.सि-के सहायताय मानसम्मत विद्यालय शिक्षा आमारेके भविष्यके प्रजन्मके सचेतन, दक्ष ओ दायित्वशील नागरिक हिसेबे गडे तुलते उल्लेखयोग्य अबदान राखबे।

आमार दृढ विश्वास ये, एहि निर्देशिकागुलि राज्य ओ विद्यालयगुलिके कार्यकर ओ अंशग्रहणमूलक एस.एम.सि गठने सठिक पथ देखाबे। एटि शिक्षार्थीके शिखनेके मानोन्नयन, तादके सामग्रिक कल्याण ओ एक उन्नत भारतके दीर्घमेयादी लक्ष्य पूरणे तां पर्यपूर्ण अबदान राखबे।


संजय कुमार

कक्ष नं - 21102, प्रथम तला, सचिव, DoSEL-एके कार्यालय, गेटे नं 04, कर्तब्य भवन-2, नतून दिल्ली-110001

ई-मेल: secy.sel@nic.in

মুখবন্ধ

সমতাভিত্তিক, অন্তর্ভুক্তিমূলক এবং প্রগতিশীল সমাজ গঠনের মূল ভিত্তি হলো বিদ্যালয় শিক্ষা। বিদ্যালয়ের মান কেবল সরকারি নীতি বা উপলব্ধ সম্পদের ওপর নির্ভর করে না, বরং তা জনসমাজের সক্রিয়, নিরন্তর এবং অর্থবহ অংশগ্রহণের সঙ্গে ও গভীরভাবে যুক্ত। এই প্রেক্ষাপটে, শিশুদের শিখন মান ও সামগ্রিক কল্যাণের লক্ষ্যে বিকেন্দ্রীভূত শাসনব্যবস্থা, জন-অংশগ্রহণ এবং যৌথ দায়বদ্ধতার বিষয়টিকে শিক্ষা সংস্কারের ক্ষেত্রে বরাবরই অগ্রাধিকার দেওয়া হয়েছে। তৃণমূল স্তরে এই লক্ষ্য বাস্তবায়নের জন্য একটি প্রধান ও শক্তিশালী প্রাতিষ্ঠানিক মাধ্যম হিসেবে বিদ্যালয় পরিচালন সমিতি (এস.এম.সি) অত্যন্ত গুরুত্বপূর্ণ ভূমিকা পালন করে।

জাতীয় শিক্ষানীতি (এন.ই.পি) 2020-তে বিদ্যালয় শিক্ষার বিকেন্দ্রীভূত শাসনব্যবস্থা এবং অভিভাবক, স্থানীয় জনসমাজ, প্রাক্তন শিক্ষার্থী ও অন্যান্য অংশীজনদের সক্রিয় অংশগ্রহণের ওপর বিশেষ গুরুত্ব দেওয়া হয়েছে। এই শিক্ষানীতি বিদ্যালয়গুলোকে একটি প্রাণবন্ত শিক্ষাকেন্দ্র হিসেবে বিবেচনা করে, যাদের সঙ্গে স্থানীয় সমাজের নিবিড় সংযোগ রয়েছে। শিখনের মানোন্নয়ন, অন্তর্ভুক্তিমূলক শিক্ষা নিশ্চিত করা এবং বিদ্যালয়ের সার্বিক কার্যকারিতা বৃদ্ধির লক্ষ্যে যৌথ দায়বদ্ধতা, জনসমাজের নিজস্ব মালিকানাবোধ এবং অংশগ্রহণমূলক সিদ্ধান্ত গ্রহণের গুরুত্বের কথা এন.ই.পি 2020 -তে স্পষ্টভাবে উল্লেখ করা হয়েছে। যদিও যদিও সমগ্র শিক্ষা (সমগ্র শিক্ষা অভিযান) এবং 'শিশুর বিনামূল্যে ও বাধ্যতামূলক শিক্ষার অধিকার' (আরটিই)আইন, 2009-এর অধীনে বিদ্যালয় পরিচালন সমিতি (এস.এম.সি) সংক্রান্ত নানা বিধান আগে থেকেই বিদ্যমান, তবুও বর্তমান শিক্ষাব্যবস্থার প্রেক্ষাপটে এস.এম.সি-র গঠন, কার্যপ্রণালী এবং এর পূর্ণ সম্ভাবনাকে স্পষ্টভাবে সংজ্ঞায়িত করার জন্য একটি সুসংগত, সুসংবদ্ধ এবং আধুনিক জাতীয় কাঠামোর প্রয়োজনীয়তা অনুভূত হয়েছিল। সেই লক্ষ্যেই বিদ্যালয় পরিচালন সমিতির জন্য জাতীয় নির্দেশিকা প্রণয়ন করা হয়েছে, যা বিদ্যালয় শিক্ষার প্রতিটি স্তরে কার্যকর একটি সমন্বিত জাতীয় নির্দেশিকা হিসেবে কাজ করবে।

এই নির্দেশিকাগুলি ইতিপূর্বে এই বিষয়ে প্রকাশিত সমস্ত নির্দেশিকাকে বাতিল করে, কার্যকর করা হয়েছে এবং এর মূল লক্ষ্য হলো, বিদ্যালয় পরিচালন সমিতি (এস.এম.সি)-কে অংশগ্রহণমূলক শাসনের এক শক্তিশালী ও সক্রিয় প্ল্যাটফর্ম হিসেবে গড়ে তোলা। এতে এস.এম.সি-র গঠন, কার্যকাল, নির্বাচন প্রক্রিয়া, সদস্যদের ভূমিকা ও দায়িত্ব, দক্ষতা বৃদ্ধি এবং কর্পোরেট সামাজিক দায়বদ্ধতা (সি.এস.আর) তহবিল থেকে সহায়তা পাওয়ার বিষয়ে স্পষ্ট দিকনির্দেশনা দেওয়া হয়েছে। এছাড়াও শিক্ষাগত তত্ত্বাবধান, বিদ্যালয় উন্নয়ন পরিকল্পনা (এস.ডি.পি)-র মাধ্যমে বিদ্যালয় পরিচালনা, আর্থিক ব্যবস্থাপনা, সামাজিক নিরীক্ষা, শিশুদের নিরাপত্তা ও কল্যাণ, অন্তর্ভুক্তিমূলক ও সমতাভিত্তিক শিক্ষা এবং সরকারি বিভিন্ন বিভাগের সঙ্গে সমন্বিতভাবে কাজ করার বিষয়ে এই নির্দেশিকায় বিস্তারিত আলোচনা করা হয়েছে। বিদ্যালয়-ছুট ও বিদ্যালয়ের বাইরে থাকা শিশুদের পুনরায় শিক্ষার মূলধারায় ফিরিয়ে আনা, আর্থ-সামাজিকভাবে পিছিয়ে পড়া শিশুদের সহায়তা করা এবং বুনিনাদী সাক্ষরতা ও সংখ্যাগতান সুদৃঢ় করার ক্ষেত্রে এস.এম.সি-র ভূমিকার ওপর বিশেষ গুরুত্ব দেওয়া হয়েছে। এই সকল সম্মিলিত প্রচেষ্টা শিক্ষার্থীদের কাঙ্ক্ষিত শিখনের মানোন্নয়নে সাহায্য করবে, যা 'বিকশিত ভারত @2047-এর রূপকল্প বাস্তবায়নে গুরুত্বপূর্ণ ভূমিকা পালন করবে।

এই নির্দেশিকাগুলি রাজ্য এবং কেন্দ্রশাসিত অঞ্চলগুলোর জন্য একটি পথনির্দেশক কাঠামো হিসাবে কাজ করবে, যাতে তারা স্থানীয় পরিস্থিতি, প্রয়োজন এবং অগ্রাধিকারের ভিত্তিতে তাদের নিজস্ব নিয়ম, পদ্ধতি ও ব্যবস্থার মধ্যে সমন্বয় ও সামঞ্জস্য স্থাপন করতে পারে। পরিশেষে, এই নির্দেশিকাগুলোর লক্ষ্য হলো জনসমাজকে ক্ষমতায়ন করা, যাতে তারা বিদ্যালয়ের প্রতি যৌথ দায়বদ্ধতা গ্রহণ করতে পারে; যার মাধ্যমে এটি নিশ্চিত করা যায় যে, প্রতিটি শিশু যেন একটি নিরাপদ, অন্তর্ভুক্তিমূলক এবং সহায়ক পরিবেশে মানসম্মত শিক্ষা লাভ করে, নিরন্তর উন্নতি করে এবং সফলভাবে তাদের বিদ্যালয় শিক্ষা সম্পন্ন করতে পারে।

(অর্চনা শর্মা অবস্থী)
অতিরিক্ত সচিব, ডোসেল
শিক্ষা মন্ত্রণালয়

সূচিপত্র

1. ভূমিকা	1
2. বিদ্যালয় পরিচালন সমিতি (এস.এম.সি)	1
2.1 এস.এম.সি সদস্যদের নির্বাচনের নিয়মাবলি	2
2.2 এস.এম.সি-র গঠন	3
2.3 সদস্য-সচিবের ভূমিকা ও দায়িত্ব	3
2.4 কার্যকাল	4
2.5 এস.এম.সি-র অভিভাবক সদস্যদের নির্বাচন প্রক্রিয়া	4
2.6 এস.এম.সি-র উপ-কমিটিসমূহ	5
3. এস.এম.সি-র ভূমিকা ও দায়িত্ব অথবা কার্যাবলি	6
4. বিদ্যালয় উন্নয়ন পরিকল্পনা (এস.ডি.পি)	12
5. সভা ও কার্যপদ্ধতি	14
6. সক্ষমতা বৃদ্ধি ও প্রশিক্ষণ	14
7. আর্থিক ব্যবস্থাপনা ও সামাজিক নিরীক্ষা	15
8. বিভিন্ন মন্ত্রক/দপ্তরের সঙ্গে সমন্বয়ের মাধ্যমে রিসোর্সের সদ্ব্যবহার	16
9. এস.এম.সি-গুলির পর্যবেক্ষণ এবং সহায়তা	19
10. উপসংহার	19
পরিশিষ্ট	21

1. ভূমিকা

1.1 গোষ্ঠী সংহতি এবং এতে অংশগ্রহণ হলো এমন একটি প্রক্রিয়া যার মাধ্যমে বিভিন্ন কমিউনিটি তাদের চাহিদা, রিসোর্স, প্রয়োজন এবং সমাধান নিজেরাই চিহ্নিত করে। এতে সবার প্রতিনিধিত্বমূলক অংশগ্রহণ, সুশাসন, দায়বদ্ধতা এবং শান্তিপূর্ণ পরিবর্তনকে উৎসাহ দেওয়া হয়। শিক্ষার ক্ষেত্রে, গোষ্ঠী সংহতি এবং গোষ্ঠীভুক্ত সদস্যদের নিবিড় অংশগ্রহণ অত্যন্ত গুরুত্বপূর্ণ। এই পদ্ধতিটি নিচ থেকে উপরের দিকে একটি সম্মিলিত প্রক্রিয়ার বিকাশ ঘটায়, যা সরকারি কর্মসূচিগুলোর কার্যকর পরিকল্পনা, রূপায়ণ, পর্যবেক্ষণ, মূল্যায়ন এবং সেই কর্মসূচিগুলোর প্রতি গোষ্ঠীর মালিকানা বোধ নিশ্চিত করে। সক্রিয় গোষ্ঠী অংশগ্রহণ স্বচ্ছতা, জবাবদিহিতা এবং বিদ্যালয়ের সুষ্ঠু পরিচালনার জন্য গোষ্ঠীর সম্মিলিত জ্ঞানের ব্যবহার নিশ্চিত করে। কার্যকর বিকেন্দ্রীকরণের মাধ্যমে এটি বিদ্যালয়-ভিত্তিক পদক্ষেপগুলোতে গোষ্ঠীর মালিকানা নিশ্চিত করে, শাসন কাঠামোকে শক্তিশালী করে এবং দীর্ঘমেয়াদী শিক্ষাগত উন্নয়নে সহায়তা করে।

1.2 **জাতীয় শিক্ষানীতি (এন.ই.পি), 2020** বিদ্যালয়ে শিক্ষার মানোন্নয়নে স্থানীয় সম্প্রদায়, প্রাক্তন শিক্ষার্থী এবং প্রবীণ নাগরিকদের সক্রিয় অংশগ্রহণের ওপর গুরুত্বারোপ করে। এতে তাঁদের গৃহশিক্ষকতা, সাক্ষরতা অভিযান, মেন্টরিং, শিক্ষাদানে সহায়তা এবং নির্দেশনার মতো বিভিন্ন কাজে স্বেচ্ছাসেবী হিসেবে এগিয়ে আসতে উৎসাহিত করা হয়েছে (অনুচ্ছেদ 3.7)। এন.ই.পি 2020-র নির্দেশনা অনুযায়ী, বিদ্যালয়গুলিকে প্রাণবন্ত কেন্দ্র হিসেবে গড়ে তোলা উচিত যেখানে শিক্ষা এবং সমাজ মিলেমিশে একাকার হবে। যখন অভিভাবক, শিক্ষক এবং স্থানীয় মানুষ বিদ্যালয়ের কার্যক্রমে অংশ নেন, তখন তাঁরা যত্নশীল, অন্তর্ভুক্তিমূলক এবং গর্বের পরিবেশ তৈরি করতে সহায়তা করেন। প্রতিটি বিদ্যালয় এমন এক স্থান হয়ে উঠতে পারে যা কেবল শিশুদের শিক্ষাই দেয় না, বরং পুরো সমাজকে একত্রিত করে।

1.3 **সমগ্র শিক্ষা 2.0** কাঠামোতে (যা 12^{অক্টোবর, 2022 তারিখে প্রকাশিত} 'ত্রয়োদশ অধ্যায়: গোষ্ঠী সংহতি' অংশে বিদ্যালয় পরিচালনা কমিটি (এস.এম.সি)-র গঠন, কার্যপদ্ধতি ইত্যাদির বিস্তারিত বিবরণ দেওয়া হয়েছে। এটি হলো তৃণমূল স্তরের একটি কমিটি যা সমগ্র শিক্ষা অভিযান এবং বিদ্যালয় শিক্ষা দপ্তরের অন্যান্য উদ্যোগ রূপায়ণে সক্রিয় ভূমিকা পালন করে।

1.4 **শিশুদের বিনামূল্যে ও বাধ্যতামূলক শিক্ষার অধিকার (আর.টি.ই) আইন, 2009-এর** চতুর্থ অধ্যায়: বিদ্যালয় ও শিক্ষকদের দায়িত্বের **ধারা (21)-এ** বিদ্যালয়ে এস.এম.সি-র গঠন ও কার্যাবলি সম্পর্কে বিস্তারিত বলা হয়েছে।

2. বিদ্যালয় পরিচালনা কমিটি (এস.এম.সি)

বিদ্যালয় শিক্ষায় জনসমাজের অংশগ্রহণ শক্তিশালী করতে এন.ই.পি 2020, সমগ্র শিক্ষা অভিযান এবং আর.টি.ই আইন, 2009 বিকেন্দ্রীভূত শাসনের একটি গুরুত্বপূর্ণ উপাদান হিসেবে এস.এম.সি গঠনের ওপর বিশেষ গুরুত্ব আরোপ করেছে। এস.এম.সি হলো কমিউনিটি অংশগ্রহণের একটি প্রধান মাধ্যম। এর মাধ্যমে বিদ্যালয়ের পরিচালনা আরও শক্তিশালী হয় এবং স্থানীয় মানুষরা বিদ্যালয়ের উন্নয়নে সক্রিয়ভাবে অংশ নিতে পারেন। **এন.ই.পি 2020, সমগ্র শিক্ষা অভিযান, আর.টি.ই আইন, 2009 এবং সর্বশিক্ষা অভিযান (এস.এস.এ) ও রাষ্ট্রীয় মাধ্যমিক শিক্ষা অভিযান (আর.এম.এস.এ) ইত্যাদিতে শিক্ষা মন্ত্রকের (তৎকালীন মানব সম্পদ উন্নয়ন মন্ত্রক বা এম.এইচ.আর.ডি) পূর্ববর্তী নির্দেশিকাগুলির বিধানসমূহ বিবেচনা করে, এস.এম.সি সংক্রান্ত নিম্নলিখিত নির্দেশিকাগুলি জারি করা হচ্ছে। এই নির্দেশিকাগুলি পূর্ববর্তী**

সকল নির্দেশিকা ও নির্দেশাবলিকে অধিক্রমণ করবে।

এই নির্দেশিকাগুলি রাজ্য ও কেন্দ্রশাসিত অঞ্চলগুলির জন্য একটি আদর্শ রূপরেখা হিসেবে কাজ করবে, যা বিদ্যালয়-স্তরের শাসন ব্যবস্থাকে শক্তিশালী করতে এবং অন্তর্ভুক্তিমূলক, অংশগ্রহণমূলক ও দায়বদ্ধ শিক্ষার জাতীয় দৃষ্টিভঙ্গির সাথে স্থানীয় নিয়ম ও পদ্ধতিগুলির সমন্বয় ঘটাতে সাহায্য করবে।

- ◆ প্রতিটি বিদ্যালয়ে একটি এস.এম.সি গঠন করা উচিত, **শিক্ষাবর্ষ শুরু হওয়ার** এক মাসের মধ্যে।
- ◆ **রাজ্য এবং কেন্দ্রশাসিত অঞ্চলগুলিকে বিদ্যালয় পরিচালনা উন্নয়ন কমিটির (এস.এম.ডি.সি) পরিবর্তে মাধ্যমিক বিদ্যালয়সহ (গ্রেড 12 পর্যন্ত) প্রতিটি বিদ্যালয়ে এস.এম.সি রাখার পরামর্শ দেওয়া হয়েছে।**
- ◆ এতে সরকারি আধিকারিক, শিক্ষার্থীদের অভিভাবক, স্থানীয় কর্তৃপক্ষের প্রতিনিধি, শিক্ষাবিদ, বিষয় বিশেষজ্ঞ, বিদ্যালয়ের প্রাক্তন শিক্ষার্থী এবং অনগ্রসর গোষ্ঠীর প্রতিনিধিরা অন্তর্ভুক্ত থাকবেন।
- ◆ কমিটির সদস্য সংখ্যা শিক্ষার্থীদের ভর্তির সংখ্যার ওপর ভিত্তি করে নির্ধারিত হতে পারে:

নথিভুক্তির পরিসীমা	সদস্যদের আনুমানিক সংখ্যা
সর্বোচ্চ 100 জন শিক্ষার্থী	12 – 15 জন সদস্য
100 – 500 জন শিক্ষার্থী	15 – 20 জন সদস্য
500 জনের বেশি শিক্ষার্থী	20 – 25 জন সদস্য

2.1 এস.এম.সি সদস্যদের নির্বাচনের নিয়মাবলী

- এস.এম.সি-র মোট সদস্য সংখ্যার **পঁচাত্তর শতাংশ (75%)** শিশুদের পিতামাতা বা অভিভাবকদের মধ্য থেকে মনোনীত করতে হবে।
- অবশিষ্ট **পাঁচিশ শতাংশ (25%)** সদস্য নিম্নলিখিত ব্যক্তিদের মধ্য থেকে মনোনীত হবেন:
 - স্থানীয় কর্তৃপক্ষের নির্বাচিত সদস্যদের মধ্য থেকে এক-তৃতীয়াংশ (1/3) সদস্য, যা স্থানীয় কর্তৃপক্ষ দ্বারা নির্ধারিত হবে;
 - বিদ্যালয়ের শিক্ষকদের মধ্য থেকে এক-তৃতীয়াংশ (1/3) সদস্য, যা বিদ্যালয়ের শিক্ষকদের দ্বারা নির্ধারিত হবে;
 - অবশিষ্ট এক-তৃতীয়াংশ (1/3) সদস্য স্থানীয় শিক্ষাবিদ, বিষয় বিশেষজ্ঞ, প্রবীণ শিক্ষার্থী, বিদ্যালয়ের প্রাক্তন শিক্ষার্থী এবং বিদ্যালয়ের সংলগ্ন এলাকায় কর্মরত প্রথম সারির সামাজিক কর্মীদের (যেমন অঙ্গনওয়াড়ি কর্মী বা এ.ডব্লিউ.ডব্লিউ, স্বীকৃত সামাজিক স্বাস্থ্যকর্মী বা এ.এস.এইচ.এ এবং অক্সিলিয়ারি নার্স মিডওয়াইফ বা এ.এন.এম) মধ্য থেকে নির্বাচিত হবেন। এই সদস্যদের কমিটির অভিভাবক প্রতিনিধিরা নির্বাচন করবেন।

¹ “স্থানীয় কর্তৃপক্ষ” বলতে মিউনিসিপ্যাল কর্পোরেশন বা মিউনিসিপ্যাল কাউন্সিল বা জেলা পরিষদ বা নগর পঞ্চায়েত বা পঞ্চায়েতকে বোঝায়, তা যে নামেই অভিহিত হোক না কেন; এবং এর অন্তর্ভুক্ত হবে অন্য এমন কোনো কর্তৃপক্ষ বা সংস্থা যার বিদ্যালয়ের ওপর প্রশাসনিক নিয়ন্ত্রণ রয়েছে অথবা কোনো শহর, নগর বা গ্রামে স্থানীয় কর্তৃপক্ষ হিসেবে কাজ করার জন্য বর্তমানে বলবৎ কোনো আইনের দ্বারা বা অধীনে ক্ষমতাপ্রাপ্ত।

দ্রষ্টব্য:

- ◆ এস.এম.সি-র সদস্য সংখ্যার পঞ্চাশ শতাংশ (50%) অবশ্যই মহিলা হতে হবে।
- ◆ সামাজিক ও অর্থনৈতিকভাবে অনগ্রসর গোষ্ঠী (এস.ই.ডি.জি), যেমন— তফশিলি জাতি (এসসি), তফশিলি উপজাতি (এসটি), অন্যান্য অনগ্রসর শ্রেণি (ওবিসি) প্রভৃতি এবং বিশেষ চাহিদাসম্পন্ন শিশুদের (সি.ডব্লিউ.এস.এন) পিতামাতা বা অভিভাবকদের আনুপাতিক প্রতিনিধিত্ব প্রদান করা হবে।

2.2 এস.এম.সি-র গঠন

প্রতিটি এস.এম.সি নিম্নলিখিত সদস্যদের নিয়ে গঠিত হবে:

1.	পিতামাতা/অভিভাবকদের মধ্য থেকে নির্বাচিত সদস্য	সভাপতি
2.	পিতামাতা/অভিভাবকদের মধ্য থেকে নির্বাচিত সদস্য	সহ-সভাপতি
3.	বিদ্যালয়ে অধ্যয়নরত সকল শ্রেণির শিশুদের পিতামাতা/অভিভাবক	সদস্য
4.	স্থানীয় কর্তৃপক্ষের নির্বাচিত সদস্যবৃন্দ	সদস্য
5.	বিদ্যালয়ের শিক্ষকবৃন্দ	সদস্য
6.	স্থানীয় শিক্ষাবিদ/বিষয় বিশেষজ্ঞ/ শিক্ষাবিদ/ প্রবীণ শিক্ষার্থী/প্রাক্তন শিক্ষার্থী/এ.ডব্লিউ.ডব্লিউ/আশা/এ.এন.এম	সদস্য
7.	অধ্যক্ষ/প্রধান শিক্ষক/বিদ্যালয় ইন-চার্জ	সদস্য-সচিব

2.3 সদস্য-সচিবের ভূমিকা এবং পালনীয় দায়িত্বসমূহ

সদস্য-সচিবের দায়িত্বগুলি নিচে দেওয়া হলো:

- শিক্ষাবর্ষ শুরু হওয়ার এক মাসের মধ্যে এস.এম.সি-র গঠন নিশ্চিত করা।
- বিদ্যালয়ে অধ্যয়নরত শিশুদের পিতামাতা/অভিভাবকদের মধ্য থেকে নির্বাচনের মাধ্যমে সদস্য মনোনয়নের জন্য সময়মতো **বার্ষিক সাধারণ মিটিং** আয়োজন করা। (এটি নিশ্চিত করতে হবে যে নির্বাচনের সময় যেন 50% পিতামাতা/অভিভাবক উপস্থিত থাকেন)
- নবগঠিত এস.এম.সি সদস্যদের পূর্ণাঙ্গ বিবরণ, এটি গঠন হওয়ার এক সপ্তাহের মধ্যে বিদ্যালয় ভবনের গুরুত্বপূর্ণ স্থানে প্রদর্শন করা। পিতামাতা/সদস্যদের বিবরণের মধ্যে নাম, পদবি, কন্টাক্ট নম্বর, ইমেল আইডি ইত্যাদি অন্তর্ভুক্ত থাকতে হবে। পিতামাতা/অভিভাবকের ক্ষেত্রে, তাদের নামের সাথে শিশুর নাম এবং তার শ্রেণীর উল্লেখ থাকাও প্রয়োজন।
- এস.এম.সি মিটিং অন্তত **মাসে একবার** পরিচালনা করা।
- মিটিংয়ের সময় এস.এম.সি-র কোরাম (নূন্যতম 50%) নিশ্চিত করা।
- এস.এম.সি মিটিংয়ে আলোচনার জন্য **আলোচ্যসূচি** প্রস্তুত করা।
- এস.এম.সি-র বিশদ বিবরণ, মিটিংয়ের নোটিশ সংক্রান্ত তথ্য, মিটিংয়ে উপস্থিত সদস্য, আলোচ্যসূচি এবং মিটিংয়ের কার্যবিবরণী ইত্যাদি নথিভুক্ত করার জন্য নিয়ম অনুযায়ী একটি রেজিস্টার রক্ষণাবেক্ষণ করা।

- viii. মিটিংয়ের কার্যবিবরণী ও সিদ্ধান্তসমূহ সঠিকভাবে নথিবদ্ধ করা এবং কমিটির সকল সদস্য ও সাধারণ জনগণের জন্য তা উপলব্ধ করা।
- ix. এস.এম.সি গঠনের এক মাসের মধ্যে এস.এম.সি সদস্যদের সক্ষমতা বৃদ্ধির প্রশিক্ষণ নিশ্চিত করা। এ ছাড়া, প্রয়োজন অনুযায়ী নির্দিষ্ট সময় অন্তর এস.এম.সি সদস্যদের জন্য প্রশিক্ষণ বা কর্মশালার আয়োজন করা যেতে পারে।
- x. বিদ্যালয়ের গুরুত্বপূর্ণ স্থানে শিক্ষার জন্য সমন্বিত জেলা তথ্য ব্যবস্থা প্লাস (ইউ.ডি.আই. এস.ই+) পোর্টালের বিদ্যালয়ের রিপোর্ট কার্ডটি প্রদর্শন করা এবং প্রথম মিটিংয়েই তা এস.এম.সি সদস্যদের কাছে সহজলভ্য করা।
- xi. এস.এম.সি-র মিটিং, গঠন, অভিভাবক বা অভিভাবকদের মধ্য থেকে সদস্য নির্বাচনের প্রক্রিয়া, মনোনীত সদস্যদের অন্তর্ভুক্তি ইত্যাদি বিষয়ে জেলা বা ব্লক পর্যায়ে আধিকারিকদের দেওয়া নির্দেশিকা বা আদেশের যথাযথ পালন নিশ্চিত করা।
- xii. বিদ্যালয়ের প্রধান শিক্ষক, জেলা শিক্ষা আধিকারিক বা উচ্চতর কর্তৃপক্ষ কর্তৃক প্রদত্ত অন্য যেকোনো দায়িত্ব পালন করা।

2.4 কার্যকাল

এস.এম.সি-র সদস্যদের পদের মেয়াদ হবে দুই বছর। নতুন কমিটি পুনর্গঠিত না হওয়া পর্যন্ত বর্তমান এস.এম.সি দুই বছরের মেয়াদের পরেও কাজ চালিয়ে যেতে পারে। এস.এম.সি-র কার্যকলাপে যাতে কোনো ছেদ না পড়ে, সেজন্য বর্তমান কমিটির মেয়াদ শেষ হওয়ার আগেই নতুন কমিটি গঠনের প্রক্রিয়া শুরু করা বাঞ্ছনীয়। **একজন সদস্য পরবর্তী মেয়াদের জন্য পুনরায় মনোনীত হতে পারেন, তবে সদস্য-সচিব ব্যতীত কোনো সদস্যই টানা দুই মেয়াদের বেশি পদে থাকতে পারবেন না।**

i. নিম্নলিখিত পরিস্থিতিতে এস.এম.সি সদস্যদের পদের মেয়াদ সমাপ্ত হবে:

- (a) যদি সংশ্লিষ্ট অভিভাবকের সম্মান বিদ্যালয় ত্যাগ করে।
- (b) ফৌজদারি অপরাধে বা অন্য কোনো কারণে কোনো সদস্যের আটক বা দণ্ডপ্রাপ্ত হওয়া।
- (c) সদস্যের সংশ্লিষ্ট ব্লক বা জেলা থেকে অন্য স্থানে স্থানান্তরণ।
- (d) সদস্যের আকস্মিক মৃত্যু।
- (e) যদি কোনো সদস্য কোনো প্রকার তথ্য না দিয়ে টানা চারটি মিটিংয়ে অনুপস্থিত থাকেন।

ii. পয়েন্ট (I)-এ উল্লিখিত যেকোনো কারণে তৈরি হওয়া কোনো আকস্মিক শূন্যপদ, বাস্তবায়নকারী কর্তৃপক্ষ বা রাজ্য সরকার কর্তৃক নির্ধারিত পদ্ধতি অনুযায়ী পূরণ করা হবে।

2.5 এস.এম.সি-র অভিভাবক সদস্যদের নির্বাচন প্রক্রিয়া

এস.এম.সি-র অভিভাবক বা আইনি অভিভাবক সদস্যদের নির্বাচন একটি গণতান্ত্রিক, স্বচ্ছ এবং অন্তর্ভুক্তিমূলক পদ্ধতিতে পরিচালিত হবে, যাতে বিদ্যালয় পরিচালনায় সম্প্রদায়ের অর্থবহ অংশগ্রহণ নিশ্চিত করা যায়। রাজ্য বা কেন্দ্রশাসিত অঞ্চলগুলি তাদের নিজস্ব নিয়ম বা আদেশ অনুযায়ী এস.এম.সি সদস্যদের নির্বাচন এবং মনোনয়নের জন্য বিস্তারিত পদ্ধতি নির্ধারণ করতে

পারে। নিচে বর্ণিত নির্বাচন পদ্ধতিটি একটি নির্দেশক মাত্র:

- i. শিক্ষাবর্ষের শুরুতে, সংশ্লিষ্ট রাজ্য বা কেন্দ্রশাসিত অঞ্চল কর্তৃক নির্ধারিত নিয়ম অনুযায়ী নির্বাচনের সময়সূচী এবং প্রক্রিয়া স্পষ্টভাবে উল্লেখ করে ভর্তি হওয়া সমস্ত শিশুদের পিতামাতা ও অভিভাবকদের উদ্দেশ্যে একটি বিজ্ঞপ্তি জারির মাধ্যমে বিদ্যালয় প্রধান নির্বাচনের প্রক্রিয়া শুরু করবেন।
- ii. প্রতিটি নথিভুক্ত শিশুর (ভর্তি ফর্মে যাঁর নাম ইতিমধ্যে নিবন্ধিত হয়েছে) কেবল একজন অভিভাবকই নির্বাচনে অংশগ্রহণের যোগ্য বলে বিবেচিত হবেন।
- iii. অভিভাবকরা বিদ্যালয় সম্প্রদায়ের মধ্যে থেকে নিজেদের বা অন্যান্য যোগ্য ও ইচ্ছুক অভিভাবকদের মনোনীত করতে পারেন। এস.ই.ডি.জি এবং বিশেষ চাহিদাসম্পন্ন শিশুদের (সি.ডাব্লিউ.এস.এন) অভিভাবকদের পর্যাপ্ত প্রতিনিধিত্ব, যার মধ্যে 50% মহিলা এবং বিদ্যালয়ের সমস্ত ক্লাসের প্রতিনিধিত্ব থাকতে হবে, তা নিশ্চিত করা উচিত।
- iv. যদি প্রার্থীর সংখ্যা নির্ধারিত আসনের চেয়ে বেশি হয়, তবে হাত তুলে বা মৌখিক ভোটের মাধ্যমে নির্বাচন পরিচালিত হবে; তবে কোনো বিরোধ বা অমীমাংসিত বিতর্কের ক্ষেত্রে স্বচ্ছতা নিশ্চিত করতে গোপন ব্যালটের মাধ্যমে ভোটদান পদ্ধতি অবলম্বন করা যেতে পারে।
- v. ভোটদানের সময় নথিভুক্ত শিশুদের অভিভাবকদের অন্তত 50% উপস্থিত থাকা আবশ্যিক (কোরাম)।
- vi. নিরপেক্ষতা ও স্বচ্ছতা বজায় রাখার জন্য নির্বাচন প্রক্রিয়াটি একজন মনোনীত শিক্ষা আধিকারিক বা অনুমোদিত প্রতিনিধির তত্ত্বাবধানে পরিচালিত হতে পারে।
- vii. প্রক্রিয়া সম্পন্ন হওয়ার পর, নির্বাচিত সমস্ত অভিভাবক সদস্যের নাম শিক্ষা প্রতিষ্ঠানের প্রধান কর্তৃক আনুষ্ঠানিকভাবে নথিবদ্ধ করা হবে।

এস.এম.সি গঠনের পর, নবগঠিত কমিটির প্রথম মিটিং পরবর্তী কার্যদিবসে অথবা সর্বোচ্চ এক সপ্তাহের মধ্যে অনুষ্ঠিত হতে পারে। প্রথম মিটিংয়েই কমিটির সভাপতি ও সহ-সভাপতি নির্বাচিত হবেন।

2.6 এস.এম.সি-র উপ-কমিটিসমূহ

এস.এম.সি-র কার্যকর পরিচালনার জন্য সভাপতি, সহ সভাপতি এবং সদস্য সচিব তাদের প্রয়োজন অনুযায়ী সদস্যদের মধ্য থেকে উপ-কমিটি গঠন করতে পারেন। এস.এম.সি-কে সহায়তা করার জন্য দুটি উপ-কমিটি নিম্নরূপ হতে পারে:

- (a) **বিদ্যালয় ভবন কমিটি:** বিদ্যালয় ভবন কমিটি বিদ্যালয়ের পরিকাঠামো নির্মাণ, সংস্কার, মেরামত এবং রক্ষণাবেক্ষণ সংক্রান্ত পরিকল্পনা, প্রাক্কলন, ব্যবস্থাপনা, তদারকি, তত্ত্বাবধান, প্রতিবেদন তৈরি এবং হিসাব রক্ষণাবেক্ষণের দায়িত্বে থাকতে পারে। এই কমিটি নিরাপত্তা, শিশুবান্ধব ও লিঙ্গ-সংবেদনশীল সুযোগ-সুবিধা, সার্বজনীন প্রবেশাধিকার এবং নির্ধারিত আর্থিক ও প্রযুক্তিগত মান নিশ্চিত করার পাশাপাশি সমস্ত নির্মাণ কাজ সময়মতো সম্পন্ন করার জন্য সজাগ তদারকি নিশ্চিত করবে, যাতে একটি নিরাপদ, অন্তর্ভুক্তিমূলক এবং শিক্ষার্থী-বান্ধব পরিবেশ তৈরি করা যায়।

(b) **শিক্ষা বিষয়ক কমিটি:** শিক্ষা বিষয়ক কমিটি পরিকল্পনা, ব্যবস্থাপনা, তদারকি, তত্ত্বাবধান, প্রতিবেদন তৈরি এবং ইউ.ডি.আই.এস.ই+ এর তথ্য সংগ্রহ সহ সমস্ত শিক্ষামূলক কার্যক্রমের জন্য দায়ী থাকতে পারে। এটি আর্থ-সামাজিক, লিঙ্গ এবং প্রতিবন্ধকতা সংক্রান্ত বাধাগুলি দূর করার মাধ্যমে শিক্ষার মান ও সমতার ধারাবাহিক উন্নতি নিশ্চিত করবে; শিক্ষক ও শিক্ষার্থীদের উপস্থিতির উপর নজর রাখবে; নির্দেশিকা ও পরামর্শ দানে সহায়তা করবে; শিক্ষার্থীদের কৃতিত্বের খোঁজ রাখবে; সমৃদ্ধিমূলক ও বিকাশমূলক শিখন কার্যক্রম মেনে চলতে উৎসাহিত করবে; এবং শিক্ষার্থী ও শিক্ষকদের সামগ্রিক শিক্ষাগত, সামাজিক ও ব্যক্তিত্বের বিকাশ ঘটাবে। এই দায়িত্বগুলি পালনের মাধ্যমে কমিটি শিক্ষার্থীদের কৃতিত্ব এবং বিদ্যালয়ের সামগ্রিক শিক্ষা ব্যবস্থার প্রধান অভিভাবক হিসেবে কাজ করে।

3. এস.এম.সি-র ভূমিকা এবং দায়িত্ব বা কার্যাবলি

এস.এম.সি কার্যকর বিদ্যালয় শাসন নিশ্চিত করতে এবং শিক্ষার মান বৃদ্ধিতে **এক গুরুত্বপূর্ণ ভূমিকা পালন করে।** এর প্রাথমিক কার্যাবলীর মধ্যে রয়েছে বিদ্যালয়ের সামগ্রিক কাজকর্ম পর্যবেক্ষণ করা এবং সমগ্র শিক্ষা, পি.এম. শ্রী এবং পি.এম. পোষণ সহ বিভিন্ন শিক্ষামূলক প্রকল্পের সময়োপযোগী ও কার্যকর বাস্তবায়ন তদারকি করা। কাঠামোগত ঘাটতি চিহ্নিত করা, বিদ্যমান সুযোগ-সুবিধাগুলি সমীক্ষা করা এবং বিদ্যালয়ের সুনির্দিষ্ট প্রয়োজনগুলি পূরণ করার মাধ্যমে একটি ব্যাপক বিদ্যালয় উন্নয়ন পরিকল্পনার (এস.ডি.পি) তৈরি ও সুপারিশ করার দায়িত্ব এস.এম. সি-র ওপর বর্তায়। বিদ্যালয়ের কাঠামো উন্নত করার জন্য সি.এস.আর থেকে অনুদান বা অবদান সংগ্রহ করার দায়িত্বও এস.এম.

সি পালন করবে। এটি সংশ্লিষ্ট সরকার, স্থানীয় কর্তৃপক্ষ বা অন্যান্য উৎস থেকে প্রাপ্ত অনুদানের যথাযথ ব্যবহার পর্যবেক্ষণ করবে এবং বিদ্যালয় ও সম্প্রদায়ের মধ্যে সংযোগ দৃঢ় করতে অভিভাবক ও সামাজিক অংশগ্রহণকে উৎসাহিত করবে। বিদ্যালয়ের প্রয়োজনগুলি চিহ্নিত করে এবং কার্যকর পরিকল্পনা তৈরির মাধ্যমে এস.এম. সি বিদ্যালয়, সম্প্রদায় ও স্থানীয় কর্তৃপক্ষের মধ্যে সমন্বয় সাধন করে,



যা একটি অন্তর্ভুক্তিমূলক, নিরাপদ এবং সুপারিকল্পিত শিক্ষার পরিবেশ তৈরি করতে সাহায্য করে। সেই অনুযায়ী, এস.এম.সি সদস্যদের প্রধান ভূমিকা ও দায়িত্বের ক্ষেত্রগুলি হতে পারে নিম্নরূপ:

- i. **সকল শিশুর জন্য ভর্তি, বিদ্যালয়ে ধরে রাখা এবং অন্তর্ভুক্তিমূলক শিক্ষার সুযোগ নিশ্চিত করা:** এস.এম.সি সদস্যদের উচিত সকল শিশুর ভর্তি এবং নিয়মিত উপস্থিতি নিশ্চিত করা, বিশেষ করে যারা এস.ই.ডি.জি এবং সি.ডব্লিউ.এস.এন-এর অন্তর্ভুক্ত। এটিও নিশ্চিত করতে হবে যে কোনো শিশু যেন বিদ্যালয় শিক্ষা গ্রহণ ও সমাপ্ত করার ক্ষেত্রে কোনো বৈষম্য বা বাধার সম্মুখীন না হয়। বিদ্যালয়ে কোনো শিশুর সাথে যাতে

কোনো প্রকার হয়রানি বা নির্যাতনের ঘটনা না ঘটে, সে বিষয়েও এস.এম.সি-কে বিদ্যালয়কে সহায়তা করতে হবে। এই ধরনের যে কোনো ঘটনার কথা অবিলম্বে সংশ্লিষ্ট কর্তৃপক্ষকে জানাতে হবে। এস.এম.সি-র উচিত প্রশস্ত (PRASHAST) অ্যাপ এবং অন্যান্য পদ্ধতি ব্যবহার করে বিশেষ চাহিদাসম্পন্ন শিশুদের (সি.ডব্লিউ.এস.এন) শনাক্ত করতে বিদ্যালয়কে সহায়তা করা এবং সমস্ত কর্মকাণ্ডে তাদের অন্তর্ভুক্তি নিশ্চিত করা।

- ii. **ড্রপ-আউট এবং বিদ্যালয়-বহির্ভূত শিশুদের (ও.ও.এস.সি) মূলধারায় ফিরিয়ে আনার জন্য ভর্তি অভিযান:** বিদ্যালয়ের নথিপত্র এবং কমিউনিটি ডেটাবেসের ওপর ভিত্তি করে, এস.এম.সি সদস্যদের উচিত বিদ্যালয়-বহির্ভূত এবং ড্রপ-আউট শিশুদের শনাক্ত করতে সহায়তা করা এবং তাদের বয়স-উপযোগী শ্রেণিতে অন্তর্ভুক্ত করার জন্য বিদ্যালয়ের কর্মীদের সঙ্গে সম্মিলিত প্রচেষ্টা চালানো। এটি সহজতর করতে, ঘরোয়া প্রচার অভিযান, অভিভাবক ও শিশুদের কাউন্সেলিং, স্থানীয় সংবাদমাধ্যম, কমিউনিটি রেডিও, গ্রাম সভা এবং অন্যান্য সামাজিক প্ল্যাটফর্মের মাধ্যমে বিনামূল্যে ও বাধ্যতামূলক বিদ্যালয় শিক্ষার বিধানগুলি ব্যাপকভাবে প্রচার করা যেতে পারে। প্রতিটি শিশুর বিদ্যালয় শিক্ষা গ্রহণ ও সম্পন্ন করা নিশ্চিত করতে সম্ভাব্য সবরকম প্রচেষ্টা করা উচিত। এস.এম.সি বিদ্যালয়-বহির্ভূত শিশুদের ডেটাবেস এবং প্রাক-প্রাথমিক (বালবাটিকা/ অঙ্গনওয়াড়ি) থেকে প্রথম শ্রেণি, বুনিয়াদি থেকে প্রস্তুতিমূলক (দ্বিতীয় থেকে তৃতীয় শ্রেণি), প্রস্তুতিমূলক থেকে মধ্য (পঞ্চম থেকে ষষ্ঠ শ্রেণি) এবং মধ্য থেকে মাধ্যমিক স্তরে (অষ্টম থেকে নবম শ্রেণি) উত্তীর্ণ হওয়া শিশুদের তথ্য আপডেট করতে সহায়তা করতে পারে।
- iii. **শিক্ষার্থীদের প্রাপ্য সুবিধাসমূহ সময়মতো বিতরণ নিশ্চিত করা:** এস.এম.সি সদস্যদের উচিত যোগ্য শিক্ষার্থীদের কাছে বিনামূল্যে পাঠ্যপুস্তক, বিদ্যালয়ের ইউনিফর্ম, বৃত্তি, উপবৃত্তি এবং এই জাতীয় অন্যান্য সুযোগ-সুবিধাগুলি সময়মতো পৌঁছে দেওয়া নিশ্চিত করা।
- iv. **অভিভাবক-শিক্ষক মিটিং (পি.টি.এম)-এ সহযোগিতা:** শিক্ষার্থীদের শিক্ষাগত এবং অন্যান্য কার্যাবলি যেমন খেলাধুলা, শারীরিক সুস্থতা, স্বাস্থ্য, কলা, আচার-আচরণ ইত্যাদি ক্ষেত্রে তাদের পারফরম্যান্স বা ফলাফল ভাগ করে নেওয়ার জন্য নিয়মিত পি.টি.এম আয়োজন ও পরিচালনায় এস.এম.সি পূর্ণ সহযোগিতা করতে পারে। পি.টি.এম হলো শিশুদের শিক্ষামূলক যাত্রায় অভিভাবক/অভিভাবকদের অন্তর্ভুক্ত করার একটি কার্যকর উপায়।
- v. **শৈক্ষিক পরিকল্পনা এবং সহায়তা:** এস.এম.সি সদস্যদের নিশ্চিত করা উচিত যেন বিদ্যালয়গুলি সমগ্র শিক্ষা অভিযান এবং এন.ই.পি 2020-এর অধীনে নির্ধারিত নিয়ম ও মানগুলি অনুসরণ করে। শিক্ষকরা নিয়মিত বিদ্যালয়ে উপস্থিত হচ্ছেন কি না, সময়মতো পাঠ্যক্রম শেষ করছেন কি না এবং শিশুদের অগ্রগতির তথ্য ভাগ করে নিতে অভিভাবকদের সঙ্গে দেখা করছেন কি না, তা তাদের তদারকি করা উচিত। শিক্ষক সংকট দূর করতে এবং শিক্ষকদের মূলত শিক্ষামূলক কাজে নিয়োজিত রাখতে কমিটি প্রয়োজনীয় পদক্ষেপ গ্রহণে সহায়তা করতে পারে।

এস.এম.সি-র উচিত বিদ্যালয়ের ক্যালেন্ডার প্রস্তুত করা, শ্রেণিকক্ষের কার্যাবলি পর্যবেক্ষণ করা এবং পড়াশুনার ক্ষেত্রে ঘাটতি চিহ্নিত করার ক্ষেত্রে শিক্ষকদের সহায়তা

করা, যাতে পঠন-পাঠন প্রক্রিয়া আরও সুদৃঢ় হয় এবং শিক্ষার্থীদের শিখনের ফলাফল (এল.ও) উন্নত হয়। কোনো শিক্ষকের ঘনঘন অনুপস্থিতির বিষয়টি এস.এম.সি-র উচিত সংশ্লিষ্ট কর্তৃপক্ষকে জানানো, যাতে শিখনের ধারাবাহিকতা ব্যাহত না হয়। পড়াশোনাকে আরও আকর্ষণীয়, প্রাসঙ্গিক এবং সম্প্রদায়ের সাথে যুক্ত করতে এবং ব্যাগবিহীন দিনগুলোকে সমৃদ্ধ করতে এস.এম.সি-র যা করা উচিত:

- **অভিজ্ঞতামূলক শিক্ষার প্রসারের জন্য বিজ্ঞান মেলা, ঐতিহ্য পদযাত্রা বা পরিবেশ সচেতনতা অভিযানের মতো** বিভিন্ন গোষ্ঠী-ভিত্তিক শিক্ষা অনুষ্ঠানের আয়োজনে সহায়তা করা।
- **জল সংরক্ষণ, বর্জ্য ব্যবস্থাপনা বা স্থায়ী কৃষির মতো সামাজিক সমস্যাগুলোর ওপর ভিত্তি করে** প্রকল্প-ভিত্তিক শিক্ষার প্রসারে সহায়তা করা, যা শ্রেণিকক্ষের জ্ঞানকে বাস্তব জীবনের চ্যালেঞ্জের সঙ্গে যুক্ত করবে।
- **এন.ই.পি 2020-এর নির্দেশিকা অনুযায়ী দক্ষতা বৃদ্ধির লক্ষ্যে স্থানীয় ব্যবসা ও শিল্পের চাহিদার সাথে সামঞ্জস্য রেখে** প্রাসঙ্গিক দক্ষতা অর্জনে উৎসাহ দেওয়া এবং ইন্টারশিপ বা শিক্ষানবিশ কর্মসূচির ব্যবস্থা করা।

vi. **প্রারম্ভিক সাক্ষরতা ও সংখ্যাঙ্গান (এফ.এল.এন) লক্ষ্যমাত্রা অর্জনে সহায়তা:** এস.এম.সি নিপুন ভারত মিশনের অধীনে এফ.এল.এন লক্ষ্যমাত্রা অর্জনের জন্য সম্প্রদায় এবং অভিভাবকদের অংশগ্রহণকে আরও উৎসাহিত করবে।², প্রাথমিক স্তরে শিশুর মাতৃভাষা ব্যবহারে উৎসাহিত করা, স্থানীয় ভাষার রিডিং কর্নার তৈরি, গল্প বলার আসর এবং অভিভাবকদের দ্বারা পরিচালিত রিডিং ক্লাব গঠনে সহায়তা করার মাধ্যমে প্রতিটি বিদ্যালয়ে মানসম্মত শিক্ষার জন্য সম্মিলিত দায়বদ্ধতা বৃদ্ধি করবে। এস.এম.সি শিক্ষক এবং সম্প্রদায়ের স্বেচ্ছাসেবকদের মাধ্যমে বহুভাষিক শিখন-শিক্ষণ সামগ্রী তৈরিতেও সহায়তা করতে পারে... এস.এম.সি-র উচিত একটি নির্দিষ্ট সময়ের মধ্যে বিদ্যালয়টিকে 'নিপুন' হিসেবে গড়ে তোলার প্রচেষ্টাকে সমর্থন করা, যাতে সমস্ত শিক্ষার্থী গ্রেড-উপযোগী এফ.এল.এন দক্ষতা অর্জন করতে পারে। প্রারম্ভিক সাক্ষরতা ও সংখ্যাঙ্গানে শিক্ষার্থীদের অগ্রগতি মূল্যায়ন, শক্তিশালীকরণ এবং উদযাপন করার জন্য স্থানীয় যুব স্বেচ্ছাসেবকরা শিক্ষকদের সহযোগিতায় পর্যায়ক্রমে গোষ্ঠীবদ্ধভাবে শেখার উৎসাহিত, পঠন অভিযান বা অনুরূপ উদ্যোগ আয়োজন করতে পারেন। এস.এম.সি-র উচিত অঙ্গনওয়াড়ি কর্মী এবং প্রাথমিক শিক্ষকদের মধ্যে যৌথ পরিকল্পনা ও কার্যক্রমের প্রচার করা যাতে আনন্দের সঙ্গে, খেলার ছলে প্রারম্ভিক শিক্ষা এবং অঙ্গনওয়াড়ি থেকে বিদ্যালয়ে সহজ স্থানান্তর নিশ্চিত করা যায়। কমিটি স্থানীয় শিল্পী, কারিগর এবং প্রবীণদের সঙ্গে মিলিতভাবে কাজ করতে পারে। এর মাধ্যমে প্রথাগত জ্ঞান, শিল্প এবং স্থানীয় সংস্কৃতিকে বিদ্যালয়ের কার্যক্রমের সঙ্গে যুক্ত করা যাবে, যার মধ্যে স্থানীয় গান, ছড়া, কারুশিল্প এবং উৎসবের ব্যবহার অন্তর্ভুক্ত রয়েছে, যা শিক্ষার্থীদের দক্ষতা বৃদ্ধি এবং সাংস্কৃতিক শিকড়ের সাথে যুক্ত থাকতে সহায়তা করবে। অভিভাবক ও সম্প্রদায়ের অংশগ্রহণ সংক্রান্ত বিস্তারিত নির্দেশিকা নিপুন ভারত বাস্তবায়ন নির্দেশিকা (2021)-এর অধ্যায় 14-এ প্রদান করা

² নিপুন ভারত (ন্যাশনাল ইনিশিয়েটিভ ফর প্রফিসিয়েন্সি ইন রিডিং উইথ আন্ডারস্ট্যান্ডিং অ্যান্ড নিউমারেসিস) হলো এন.ই.পি 2020-এর অধীনে একটি জাতীয় মিশন, যার লক্ষ্য হলো 2026-27 সালের মধ্যে দ্বিতীয় শ্রেণির প্রতিটি শিশুর বুনয়াদী সাক্ষরতা ও সংখ্যাঙ্গান (এফ.এল.এন) নিশ্চিত করা। এই মিশনের উদ্দেশ্য হলো বুনয়াদী স্তরে পঠন, লিখন এবং সংখ্যাঙ্গানের ক্ষেত্রে শ্রেণি-ভিত্তিক দক্ষতা অর্জন করা। নির্দেশিকাটি এখানে পাওয়া যাবে: https://www.education.gov.in/sites/upload_files/mhrd/files/nipun_bharat_eng1.pdf

হয়েছে।

- vii. **প্রধানমন্ত্রী পোষণ শক্তি নির্মাণ (পি.এম পোষণ) এবং স্বাস্থ্য উদ্যোগসমূহ:** এস.এম.সি সদস্যদের সক্রিয়ভাবে পি.এম পোষণ প্রকল্পের বাস্তবায়ন তদারকি করা উচিত। তারা প্রতিদিনের কর্মসূচি ব্যবস্থাপনার তত্ত্বাবধান করবেন এবং পরিবেশনের আগে শিক্ষকদের সাথে পর্যায়ক্রমে খাবার খেয়ে গুণমান নিশ্চিত করবেন। শিশুদের পুষ্টির মান বাড়াতে অতিরিক্ত খাবারের গুরুত্ব তুলে ধরতে এস.এম.সি মিটিংয়ে 'তিথি ভোজন'-এর ধারণা ও গুরুত্ব নিয়ে আলোচনা করা যেতে পারে। তিথি ভোজন হলো একটি সামাজিক অংশগ্রহণের উদ্যোগ যা মানুষকে অন্নদান করার ভারতীয় ঐতিহ্যবাহী প্রথার ওপর ভিত্তি করে তৈরি। এই উদ্যোগের অধীনে, সম্প্রদায়ের সদস্যরা বিশেষ অনুষ্ঠান বা উৎসবে যেমন জন্মদিন, বিবাহবার্ষিকী, বিবাহ, বিভিন্ন উৎসব এবং জাতীয় গুরুত্বের দিনগুলিতে শিশুদের অতিরিক্ত খাবার বা পূর্ণ মধ্যাহ্নভোজন হিসেবে পুষ্টিকর ও স্বাস্থ্যকর খাবার সরবরাহ করেন। অভিভাবক এবং সম্প্রদায়ের সদস্যরা স্থানীয় খাবারের বৈচিত্র্য অন্তর্ভুক্ত করা এবং শিক্ষার্থীদের অংশগ্রহণের মাধ্যমে বিদ্যালয়ে পুষ্টি (কিচেন) বাগান তৈরি ও তার রক্ষণাবেক্ষণে 'শ্রমদান'-এর মাধ্যমে অংশ নিতে পারেন। এছাড়াও, স্বাস্থ্য কর্তৃপক্ষের সাথে সমন্বয় করে এস.এম.সি পর্যায়ক্রমিক স্বাস্থ্য পরীক্ষা, পরিচ্ছন্নতা অধিবেশন এবং পুষ্টি সচেতনতা কার্যক্রমের আয়োজন করতে পারে।
- viii. **পরিকাঠামো এবং সুযোগ-সুবিধা তদারকি:** সম্প্রদায়ের সদস্য এবং স্থানীয় কর্তৃপক্ষের সহযোগিতায় এস.এম.সি সদস্যরা বিভিন্ন শিক্ষামূলক উদ্যোগে সক্রিয়ভাবে অবদান রাখতে পারেন। এর মধ্যে রয়েছে শিক্ষা সহায়ক হিসাবে বিদ্যালয় ভবন (BaLA) কর্মসূচি, ডিজিটাল লার্নিং টুলের প্রসার, বিজ্ঞানাগার উন্নত করা, অটল টিক্সারিং ল্যাব (এ.টি.এল), স্টেম (বিজ্ঞান, প্রযুক্তি, প্রকৌশল এবং গণিত) ল্যাব, খেলাধুলার ঘর ও সরঞ্জাম, বিদ্যালয়ের লাইব্রেরি এবং এন.ই.পি 2020-এর বিধান অনুযায়ী সক্রিয়তা-ভিত্তিক শিখন ক্ষেত্র তৈরি করা। বিদ্যালয়টি যাতে পরিষ্কার-পরিচ্ছন্ন থাকে এবং নিয়মিত রক্ষণাবেক্ষণ ও মেরামতের মাধ্যমে শিশু-বান্ধব পরিবেশ বজায় থাকে, তা নিশ্চিত করতেও তারা সহায়তা করতে পারেন। অন্যান্য সংশ্লিষ্ট দপ্তরের সাথে সমন্বয় করে পানীয় জল, শৌচাগার, সীমানা প্রাচীর, সংযোগকারী রাস্তা, র‍্যাম্প ইত্যাদির ব্যবস্থা নিশ্চিত করা যেতে পারে।
- ix. **আর্থিক ব্যবস্থাপনা:** এস.এম.সি বিদ্যালয়ের বাজেট পর্যালোচনা করবে, যাতে অর্থ সঠিকভাবে ব্যবহার হচ্ছে কিনা তা নিশ্চিত করা যায়। এর মধ্যে রয়েছে, অর্থ নিরাপদে রাখা, খরচের ওপর নিয়ন্ত্রণ রাখা, সঠিক ব্যক্তি বা সংস্থাকে সময়মতো অর্থ প্রদান এবং আর্থিক নথিপত্র সঠিকভাবে সংরক্ষণ করা অন্তর্ভুক্ত। কমিটি বিদ্যালয়ের বার্ষিক আয় ও ব্যয়ের বিবরণী তৈরিতে সহায়তা করবে এবং নিশ্চিত করবে যে কোনো ধরনের আর্থিক অনিয়ম না ঘটে।
- এস.এম.সি-র সদস্যগণ পরবর্তী অর্থবর্ষের বাজেট প্রাক্কলন বা অনুমিত ব্যয় প্রস্তুতিতে অবদান রাখবেন এবং উপযুক্ত কারণ দর্শিয়ে ব্যয়ের নতুন ক্ষেত্র বা খাতের প্রস্তাব করতে পারেন। কমিটির হাতে প্রধান শিক্ষক বা বিদ্যালয় প্রধানের ওপর অর্পিত ক্ষমতার অতিরিক্ত আর্থিক ক্ষমতা প্রয়োগ করার কর্তৃত্ব রয়েছে, যদি সেই পদক্ষেপগুলি অনুমোদিত বাজেটের সংস্থানের মধ্যে থাকে।
- x. **সামাজিক নিরীক্ষা এবং পর্যবেক্ষণে সহায়তা করা:** বিদ্যালয় ব্যবস্থাপনা কমিটির

(এস.এম.সি) সদস্যরা বিদ্যালয়ের কার্যক্রম এবং 'সমগ্র শিক্ষা'র মতো সরকারি কর্মসূচিগুলির বাস্তবায়ন নিরবচ্ছিন্নভাবে পর্যবেক্ষণে গুরুত্বপূর্ণ ভূমিকা পালন করেন। বিদ্যালয়ের উন্নয়ন ত্বরান্বিত করা, ছাত্রছাত্রীদের ভর্তি ও বিদ্যালয়ে ধরে রাখার হার বৃদ্ধি করা এবং ঝরে পড়া কমানোর জন্য কার্যকর পরিকল্পনা, ব্যবস্থাপনা এবং জনসমাজের অংশগ্রহণ নিশ্চিত করা তাঁদের দায়িত্বের অন্তর্ভুক্ত। সামাজিক নিরীক্ষা প্রক্রিয়ার সময়, এস.এম.সি সদস্যদের কাছ থেকে গ্রামসভা এবং গণশুনানিতে সক্রিয়ভাবে অংশগ্রহণের প্রত্যাশা করা হয়। এছাড়া, বিদ্যালয় স্তরে নিরীক্ষায় প্রাপ্ত ফলাফল বা ত্রুটি সংশোধনে প্রয়োজনীয় পদক্ষেপ গ্রহণ করা হচ্ছে কি না, তা নিশ্চিত করতেও তাঁরা নিয়মিত তদারকি করেন।

- xi. **সামাজিক অংশগ্রহণ এবং সম্পদ আহরণ:** পিতা-মাতা, প্রাক্তন ছাত্র, স্বেচ্ছাসেবক, কর্পোরেট সংস্থা এবং স্থানীয় সংগঠনগুলিকে সময়, দক্ষতা ও সম্পদ প্রদানের জন্য উৎসাহিত করে বিদ্যালয় পরিচালনা কমিটি (এস.এম.সি) সামাজিক অংশগ্রহণ এবং কৌশলগত রিসোর্স একত্রিত করার একটি সহযোগিতামূলক পরিবেশ তৈরি করার মাধ্যমে বিদ্যালয়ের রূপান্তর ঘটাবে। রিসোর্স একত্রিত করার প্রচেষ্টার অংশ হিসেবে, বিদ্যালয়ের পরিকাঠামো উন্নয়ন এবং শিক্ষা ও শিক্ষাদান সংক্রান্ত সহায়তা সহ গুণমান বৃদ্ধির উদ্যোগগুলিকে সমর্থন করার জন্য এস.এম.সি-র উচিত স্থানীয় কোম্পানি এবং রাষ্ট্রীয় মালিকানাধীন উদ্যোগগুলির (পি.এস.ইউ) কর্পোরেট সামাজিক দায়বদ্ধতা (সি.এস.আর) তহবিল অনুসন্ধান ও ব্যবহার করা। বিদ্যালয়ে এই উদ্যোগগুলির আনুষ্ঠানিক পর্যবেক্ষণ ও প্রতিবেদনের সুবিধার্থে এস.এম.সি নাগরিক সমাজ সংস্থা (সি.এস.ও) এবং স্থানীয় নেতৃত্বকে নিযুক্ত করবে, যাতে সমস্ত অংশীদারদের জন্য দীর্ঘমেয়াদী প্রভাব ও দৃশ্যমানতা নিশ্চিত করা যায়। নিরক্ষরদের চিহ্নিত করতে এবং সাক্ষরতা অভিযানের জন্য স্বেচ্ছাসেবক হিসেবে কাজ করতে সমাজকে উদ্বুদ্ধ করা হবে।

সমাজে সবার জন্য আজীবন শিক্ষার গুরুত্ব বোঝাতে (উল্লাস³) (নব ভারত সাক্ষরতা কার্যক্রম), যার মাধ্যমে শিক্ষার ক্ষেত্রে সামাজিক মালিকানা ও সামাজিক দায়বদ্ধতা শক্তিশালী হবে।

স্থানীয় বাসিন্দা, প্রাক্তন শিক্ষার্থী এবং অবসরপ্রাপ্ত পেশাজীবীরা **পরামর্শদাতা এবং স্বেচ্ছাসেবী** হিসেবে **বিদ্যাঞ্জলি**⁴-র অধীনে সক্রিয়ভাবে বিদ্যালয়ে অবদান রাখতে পারেন, যা শিক্ষার্থীদের অভিজ্ঞতা-ভিত্তিক দিকনির্দেশনা প্রদান করবে। বিদ্যালয় ব্যবস্থাপনা কমিটি (এস.এম.সি) শিক্ষা মন্ত্রণালয়ের **বিদ্যাঞ্জলি উদ্যোগে** (<https://vidyanjali.education.gov.in>) অংশগ্রহণে উৎসাহিত করার জন্য জনসমাবেশ সহজতর করবে, যা স্বেচ্ছাসেবা এবং সামাজিক সহায়তার একটি দীর্ঘস্থায়ী সংস্কৃতি গড়ে তুলবে এবং শিক্ষার্থীদের শিখন অভিজ্ঞতাকে সমৃদ্ধ করার পাশাপাশি সামগ্রিক বিকাশে সহায়তা করবে।

³ উল্লাস ভারতের একটি প্রধান কর্মসূচি, যা প্রথাগত শিক্ষা বঞ্চিত 15+ বয়সীদের কার্যকরী সাক্ষরতা, সংখ্যাগণনা, ডিজিটাল ও জীবন দক্ষতা প্রদানে নিবেদিত। এন.ই.পি 2020 ভিত্তিক এই স্বেচ্ছাসেবক-নির্ভর হাইব্রিড মডেলটি নাগরিকদের সশক্তিকরণ এবং একটি জাতীয় শিক্ষা আন্দোলন গড়ে তুলতে সক্রিয়।

⁴ বিদ্যাঞ্জলি হল একটি বিশেষায়িত ডিজিটাল প্ল্যাটফর্ম যা সরকারি ও সরকারি সাহায্যপ্রাপ্ত বিদ্যালয়গুলিকে স্বচ্ছ ও সুশৃঙ্খলভাবে কর্পোরেট বা পি.এস.ইউ সংস্থাগুলি থেকে স্বেচ্ছাসেবী পরিষেবা, সম্পদ, সি.এস.আর সহায়তা এবং জনসাধারণের কাছ থেকে অনুদান গ্রহণের সুবিধা প্রদান করে।

xii. **বিদ্যালয়ে শিশুদের নিরাপত্তা, সুরক্ষা এবং সুস্বাস্থ্য নিশ্চিতকরণ:**

এস.এম.সি-কে অবশ্যই নিশ্চিত করতে হবে যে প্রতিটি বিদ্যালয় যেন সকল শিশুর জন্য একটি নিরাপদ, অন্তর্ভুক্তিমূলক এবং শিশুবান্ধব পরিবেশ প্রদান করে। তাদের কঠোরভাবে শিশুদের



অধিকার রক্ষা করতে হবে, যার মধ্যে শারীরিক বা মানসিক হয়রানি, বৈষম্য বা যেকোনো ধরনের নির্যাতন থেকে সুরক্ষা অন্তর্ভুক্ত। বিদ্যালয় নিরাপত্তা অঙ্গীকার, যৌন অপরাধ থেকে শিশুদের সুরক্ষা আইন (পোকসো) এবং অভ্যন্তরীণ অভিযোগ কমিটি (আই.সি.সি) সংক্রান্ত তথ্য বিদ্যালয়ে স্পষ্টভাবে প্রদর্শন করা উচিত।

এস.এম.সি সদস্যদের অবশ্যই বিদ্যালয় কর্তৃপক্ষ, শিক্ষক এবং অভিভাবক-শিক্ষক সমিতির (পি.টি.এ) সাথে নিয়মিত মিটিংয়ের মাধ্যমে বিদ্যালয় নিরাপত্তা ও সুরক্ষা পরিকল্পনা তৈরি এবং পর্যালোচনায় সক্রিয়ভাবে অংশগ্রহণ করতে হবে। বুলিং-বিরোধী এবং শিশু যৌন নির্যাতন (সি.এস.এ) অভিযোগ কমিটির সিদ্ধান্তগুলো এস.এম.সি মিটিংয়ে আলোচনা করা উচিত। এস.এম.সি সদস্যদের নিয়ে গঠিত একটি বিদ্যালয় নিরাপত্তা কমিটিকে প্রতি ত্রৈমাসিকে প্রাপ্তি 'নিরাপত্তা পরিদর্শন' করতে হবে এবং সমস্ত নিরাপত্তা মান অনুসরণ করা হচ্ছে কি না তা নিশ্চিত করতে হবে।

এস.এম.সি-র উচিত শিক্ষক ও কর্মীদের সম্মানজনক ও সহায়ক আচরণ নিশ্চিত করা, শিশু সুরক্ষা ও বুলিং-বিরোধী নীতিগুলোর কার্যকর বাস্তবায়ন এবং বিশেষ করে আর্থ-সামাজিক দিক থেকে পিছিয়ে পড়া গোল্টি (এস.ই.ডি.জি) ও অন্যান্য অসুরক্ষিত ব্যাকগ্রাউন্ড থেকে আসা শিশুদের জন্য কাউন্সেলিং ও মনস্তাত্ত্বিক সহায়তার সুযোগ নিশ্চিত করার মাধ্যমে শিক্ষার্থীদের মানসিক ও আবেগীয় সুস্থতাকে উৎসাহিত করা। প্রত্যেক শিশুর নিরাপদ ও পুষ্টিকর পরিবেশে বেড়ে ওঠার অধিকার রক্ষার জন্য এই কমিটিকে সম্প্রদায় এবং বিদ্যালয়ের মধ্যে একটি সেতুবন্ধন হিসেবে কাজ করতে হবে। প্রাকৃতিক দুর্যোগ, খারাপ আবহাওয়া, অশান্তি বা অন্যান্য জরুরি অবস্থার কারণে বিদ্যালয় বন্ধ থাকাকালীন শিক্ষা মন্ত্রণালয়ের 'বিদ্যালয় বন্ধ থাকাকালীন এবং তার পরবর্তী সময়ে গৃহ-ভিত্তিক শিক্ষায় অভিভাবকদের অংশগ্রহণ সংক্রান্ত নির্দেশিকা' অনুযায়ী এস.এম.সি শিক্ষার্থী ও অভিভাবকদের সহায়তা প্রদান করতে পারে।

xiii. **বিদ্যালয়ের পরিকাঠামোগত নিরাপত্তা এবং দুর্যোগ মোকাবিলা প্রস্তুতি:** বিদ্যালয়ের সার্বিক নিরাপত্তা সুনিশ্চিত করতে বিদ্যালয় ব্যবস্থাপনা কমিটিকে (এস.এম.সি) অবশ্যই পরিকাঠামোগত নিরাপত্তা এবং দুর্যোগ মোকাবিলা প্রস্তুতির ওপর নজরদারি করতে হবে। নিরাপত্তা, স্বাস্থ্যবিধি এবং কার্যকারিতা নিশ্চিত করতে কমিটির নিয়মিতভাবে বিদ্যালয় ভবন, শ্রেণিকক্ষ, পানীয় জল ও স্যানিটেশন ব্যবস্থা, বিদ্যুৎ সংযোগ এবং

অন্যান্য গুরুত্বপূর্ণ পরিকাঠামো পরিদর্শন করা প্রয়োজন। বিদ্যালয়ের একটি কার্যকর দুর্যোগ ব্যবস্থাপনা পরিকল্পনা আছে কি না তা কমিটির যাচাই করা উচিত এবং বছরে অন্তত দুবার নিরাপত্তা ও উচ্ছেদ মহড়া (ইভাকুয়েশন ড্রিল) পরিচালনা নিশ্চিত করতে হবে।

xiv. **ছাত্রাবাস ব্যবস্থাপনা:** যেসব বিদ্যালয়ে কস্তুরবা গান্ধী বালিকা বিদ্যালয় (কে.জি.বি.ভি)/ নেতাজি সুভাষচন্দ্র বসু আবাসিক হোস্টেল (এন.এস.সি.বি হোস্টেল)/অন্যান্য দপ্তরের হোস্টেল (পি.এম জনমন, ডি.এ.জে.জি.ইউ.এ ইত্যাদি) বিদ্যালয়ের সঙ্গে যুক্ত বা একই ক্যাম্পাসে অবস্থিত, সেখানে এস.এম.সি-র উচিত এই হোস্টেলগুলোর অবস্থা এবং কার্যক্রম পর্যবেক্ষণ করা। এর মধ্যে রয়েছে যথাযথ রক্ষণাবেক্ষণ, পরিচ্ছন্নতা, নিরাপত্তা, শিশুবান্ধব সুযোগ-সুবিধা এবং নির্ধারিত নিয়ম ও মানদণ্ড মেনে চলা নিশ্চিত করা।

xv. **পরিবেশগত এবং পরিবেশ-বান্ধব অনুশীলনে উৎসাহ দান:** এস.এম.সি-র উচিত বিদ্যালয়ে স্থায়ী এবং পরিবেশ-বান্ধব অনুশীলনের প্রসার ঘটানো, যেমন 'একটি গাছ মা-কে মনে রেখে'-এর অধীনে বৃক্ষরোপণ, পুষ্টি বাগান (কিচেন গার্ডেন) স্থাপন ও রক্ষণাবেক্ষণ, বর্জ্য পৃথকীকরণ কার্যকর করা, শক্তি সংরক্ষণ এবং 'জীবনের লক্ষ্য'-র মতো কর্মসূচির অধীনে অন্যান্য পরিবেশ-বান্ধব উদ্যোগ গ্রহণ করা।

উপযুক্ত মনে হলে উপ-কমিটিগুলিকে বিভিন্ন ভূমিকা ও দায়িত্ব প্রদান করা যেতে পারে। এস.এম.সি-র অন্যান্য কিছু অতিরিক্ত দায়িত্ব **অ্যানেন্সার-1**-এ দেওয়া হয়েছে।

4. বিদ্যালয় উন্নয়ন পরিকল্পনা (এস.ডি.পি)

বিদ্যালয়ের উচিত স্বল্পমেয়াদী ও দীর্ঘমেয়াদী এস.ডি.পি তৈরি করা, যা শিক্ষার্থীদের ভর্তি ও উপস্থিতির হার বৃদ্ধি, শিক্ষক ও কর্মীদের কর্মদক্ষতা, বাজেট ব্যবস্থাপনা এবং পরিকাঠামো ও সুযোগ-সুবিধার (প্রাক-প্রাথমিক, প্রাথমিক, উচ্চ-প্রাথমিক ও মাধ্যমিক স্তর) উন্নতির ওপর গুরুত্ব দেবে।

i. এস.ডি.পি হলো এমন কিছু শিক্ষামূলক পরিকল্পনার সমন্বয় যা পরিকাঠামোগত পরিকল্পনা এবং শিখন প্রক্রিয়ায় এর কার্যকর ব্যবহারকে নির্দেশিত করে। এস.ডি.পি-তে একটি বিদ্যালয়ের শিক্ষাগত লক্ষ্য এবং তা অর্জনের উপায়গুলি প্রতিফলিত

এস.ডি.পি হলো একটি কৌশলগত পরিকল্পনা নথি, যা তিন বছর সময়কালে বিদ্যালয়ের সমস্ত কার্যক্রমকে অন্তর্ভুক্ত করে। এটি এমন একটি রূপরেখা যা শিক্ষার্থীদের অর্জনের মান উন্নয়নে বিদ্যালয়ের প্রয়োজনীয় পরিবর্তনগুলি নির্ধারণ করে এবং এই পরিবর্তনগুলি কীভাবে ও কখন করা হবে তা প্রদর্শন করে।

হওয়া উচিত। এটি বিদ্যালয়ের শিক্ষাগত উন্নতির পাশাপাশি পরিকাঠামোগত কাজ এবং পর্যায়ক্রমে এর উন্নয়নের জন্য একটি মাস্টার প্ল্যান এবং ভিত্তিগত দলিল। এই পরিকল্পনাকে এককালীন কোনো কাজ হিসেবে না দেখে একটি বিবর্তনীয় প্রক্রিয়া হিসেবে বিবেচনা করা উচিত। এস.এম.সি দ্বারা প্রস্তুতকৃত এস.ডি.পি-তে এমন সব ব্যবস্থার উল্লেখ থাকতে হবে যার মাধ্যমে বিদ্যালয়ে বাধামুক্ত পরিকাঠামো এবং বিদ্যালয়ের মানোন্নয়ন ও উপস্থিতিকে উৎসাহিত করার জন্য প্রয়োজনীয় সমস্ত সুযোগ-সুবিধার প্রাপ্যতা নিশ্চিত করা যায়।

ii. শিক্ষামূলক কার্যক্রমের ক্ষেত্রে শিখন ফল এবং শিক্ষার সামগ্রিক গুণমান বৃদ্ধিতে অগ্রাধিকার

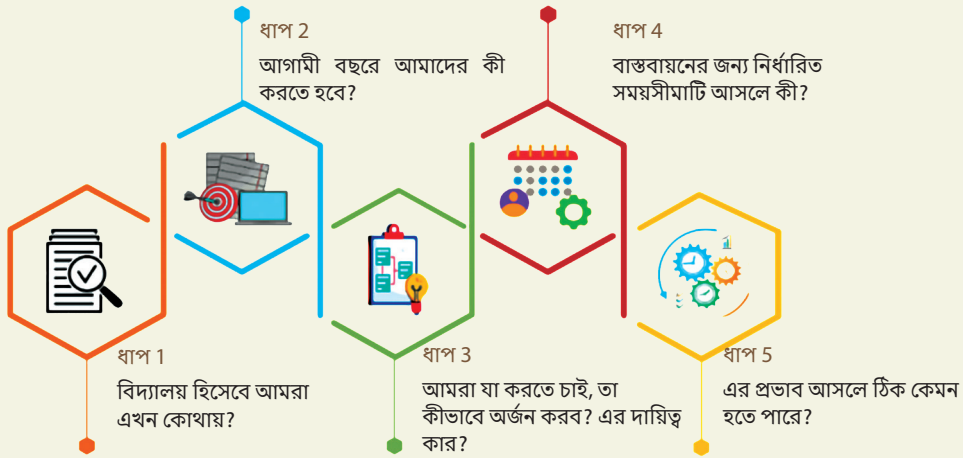
দিতে হবে। এক্ষেত্রে বুনিয়াদি শিক্ষা, যোগ্যতা-ভিত্তিক শিক্ষা এবং শিক্ষার্থীদের সামগ্রিক বিকাশের ওপর বিশেষ গুরুত্ব দেওয়া হবে। এই কার্যক্রমগুলি অবশ্যই এস.ডি.পি-র অন্তর্ভুক্ত হতে হবে এবং নিপুন ভারত মিশন, দক্ষতা ভিত্তিক শিক্ষা উদ্যোগ এবং 10 দিনের ব্যাগবিহীন কর্মসূচির লক্ষ্যগুলির সাথে সামঞ্জস্যপূর্ণ হতে হবে, যা একটি ব্যাপক শিখন পরিবেশ গড়ে তুলবে।

iii. পূর্ববর্তী এস.ডি.পি-র মেয়াদ শেষ হওয়ার পর, তার ফলাফল বিশ্লেষণ এবং প্রয়োজনের পুনর্মূল্যায়ন করে এস.এম.সি-কে তিন মাসের মধ্যে একটি নতুন এস.ডি.পি প্রস্তুত করতে হবে। **এই এস.ডি.পি হবে তিন বছরের একটি পরিকল্পনা, যা তিনটি বার্ষিক উপ-পরিকল্পনা নিয়ে গঠিত হবে।** এস.ডি.পি-তে নিম্নলিখিত বিশদ বিবরণগুলি থাকবে –

- প্রতিটি বছরের জন্য শ্রেণি-ভিত্তিক ভর্তির হিসাব;
- নির্ধারিত মানদণ্ড অনুযায়ী বিদ্যালয় শিক্ষার সকল স্তরের জন্য পৃথকভাবে প্রধান শিক্ষক, বিষয়ভিত্তিক শিক্ষক এবং খণ্ডকালীন শিক্ষকসহ প্রয়োজনীয় অতিরিক্ত শিক্ষকের সংখ্যা, যা আগামী তিন বছরের মেয়াদের ভিত্তিতে গণনা করা হয়েছে।
- নির্ধারিত মান ও মানদণ্ড অনুযায়ী আগামী তিন বছরের মেয়াদে প্রয়োজনীয় অতিরিক্ত পরিকাঠামো এবং সরঞ্জামের কায়িক প্রয়োজনীয়তা।
- উপরে উল্লিখিত (খ) এবং (গ) এর প্রেক্ষিতে আগামী তিন বছরের জন্য বছরভিত্তিক অতিরিক্ত আর্থিক প্রয়োজনীয়তা, যার মধ্যে বিশেষ প্রশিক্ষণ সুবিধা প্রদান, শিশুদের অধিকার হিসেবে বিনামূল্যে পাঠ্যপুস্তক ও ইউনিফর্ম এবং বিদ্যালয়ের দায়িত্ব পালনের জন্য প্রয়োজনীয় অন্যান্য অতিরিক্ত আর্থিক বরাদ্দ অন্তর্ভুক্ত।

iv. এস.ডি.পি-টি সংশ্লিষ্ট অর্থবছরের শেষ হওয়ার আগেই সভাপতি/সহ-সভাপতি এবং সদস্য সচিবের স্বাক্ষরসহ স্থানীয় কর্তৃপক্ষের কাছে জমা দিতে হবে।

v. সকল রাজ্য ও কেন্দ্রশাসিত অঞ্চলের প্রতিটি বিদ্যালয়ের এস.ডি.পি জনসাধারণের জন্য উন্মুক্ত রাখতে হবে। এস.এম.সি বিদ্যালয়ের কার্যকারিতা ও গতিপ্রকৃতি তদারকি করার জন্য এস.ডি.পি ব্যবহার করবে এবং এই পরিকল্পনাগুলি বাস্তবায়নে সহায়তা করবে। এস.ডি.পি সংক্রান্ত বিস্তারিত নির্দেশিকা **অ্যানেক্সচার-II-এ** সংযুক্ত করা হয়েছে।



বিদ্যালয় উন্নয়ন পরিকল্পনা তৈরির ধাপসমূহ

vi. প্রতি বছরের উপ-পরিকল্পনাগুলি বার্ষিকভিত্তিতে মার্চ মাসের শেষের মধ্যে পর্যালোচনা করা উচিত।

5. মিটিং এবং কার্যপ্রণালী

এস.এম.সি-র কার্যকর পরিচালনার জন্য নিয়মিত এবং সুশৃঙ্খল মিটিং অপরিহার্য। প্রতি মাসে অন্তত একবার মিটিং করা উচিত। মিটিংয়ের যেকোনো সিদ্ধান্ত বৈধ হওয়ার জন্য কোরাম হিসেবে কমিটির অন্তত **50% সদস্যের উপস্থিতি** থাকা প্রয়োজন।

প্রতিটি বিদ্যালয় রাজ্য, জেলা বা ব্লক স্তরের কর্তৃপক্ষের নির্দেশাবলী অথবা সংশ্লিষ্ট রাজ্য এবং কেন্দ্রশাসিত অঞ্চল সরকারের আদেশ অনুযায়ী মিটিং পরিচালনা করবে। মিটিংয়ে সকল সদস্যের সময়মতো উপস্থিতি এবং পূর্ণ অংশগ্রহণ নিশ্চিত করতে হবে। এই মিটিংগুলি বিদ্যালয়ের অগ্রগতি পর্যালোচনা এবং যেকোনো সমস্যা সমাধানের জন্য একটি মুক্ত মঞ্চ হিসেবে কাজ করবে।

স্বচ্ছতা নিশ্চিত করার জন্য প্রতিটি মিটিংয়ের কার্যবিবরণী বা মিনিটস নির্ভুলভাবে নথিভুক্ত করতে হবে এবং কমিটির সদস্যদের দ্বারা অনুমোদিত হতে হবে। এই বিবরণী বিদ্যালয়ের নোটিশ বোর্ডে অথবা ডিজিটাল মাধ্যমে (যদি থাকে) সবার দেখার জন্য প্রদর্শন করতে হবে।

বিদ্যালয়ের মানোন্নয়নে মতবিনিময়, অভিভাবকদের অংশগ্রহণ এবং যৌথ পদক্ষেপকে ত্বরান্বিত করতে অভিভাবক-শিক্ষক সমিতিতে (পি.টি.এ) এস.এম.সি-র কার্যধারার সঙ্গে যুক্ত করা যেতে পারে। বিদ্যালয়ের পরিচালনা, পঠন-পাঠন সামগ্রীর গুণমান এবং শিশুদের নিরাপত্তার বিষয়ে জনমতামত সংগ্রহের জন্য প্রতিটি বিদ্যালয়ে একটি করে পরামর্শ বাক্স বা ফিডব্যাক রেজিস্টার রাখতে হবে। এস.এম.সি প্রতি তিন মাস অন্তর এই মতামতগুলি পর্যালোচনা করবে এবং মিটিংয়ের কার্যবিবরণীতে প্রধান বিষয়গুলি অন্তর্ভুক্ত করবে।

6. সক্ষমতা বৃদ্ধি এবং প্রশিক্ষণ

- i. বিশেষত ভর্তি, উপস্থিতি এবং শিক্ষাগত পারদর্শিতার মতো ক্ষেত্রগুলিতে শিক্ষার্থীদের সহায়তা বৃদ্ধির পাশাপাশি শাসনব্যবস্থা, নজরদারি, তদারকি এবং স্থানীয় অংশীদারদের নেতৃত্বাধীন উদ্যোগগুলির উন্নতির জন্য এস.এম.সি-র সক্ষমতা পদ্ধতিগতভাবে বৃদ্ধি করা আবশ্যিক। এস.এম.সি-র কার্যকর পরিচালনা মূলত এর সদস্যদের জ্ঞান, অনুপ্রেরণা এবং দক্ষতার ওপর নির্ভর করে। অতএব, নিয়মিত সক্ষমতা বৃদ্ধির প্রচেষ্টা এবং ওরিয়েন্টেশন কর্মসূচি গ্রহণ করা অপরিহার্য।
- ii. প্রতিটি এস.এম.সি সদস্যের জন্য বার্ষিক প্রশিক্ষণ এবং পরিচিতি কর্মসূচি কমিটির গঠন বা পুনর্গঠনের এক মাসের মধ্যে আয়োজন করা উচিত। সর্বাধিক অংশগ্রহণ নিশ্চিত করতে এই কর্মসূচিগুলি মূলত স্থানীয় এলাকায় এবং স্থানীয় ভাষায় পরিচালনা করা বাঞ্ছনীয়। স্থানীয় প্রয়োজনীয়তার ওপর ভিত্তি করে প্রশিক্ষণের বিষয়বস্তু বিভিন্ন ধরনের হতে পারে, যার মধ্যে রয়েছে:
 - (a) সবার জন্য সমান ও মানসম্মত শিক্ষা নিশ্চিত করার নিয়ম ও বিধান
 - (b) বিদ্যালয় উন্নয়ন পরিকল্পনা (এস.ডি.পি) প্রস্তুতি ও বাস্তবায়ন
 - (c) পড়াশোনার ওপর নজরদারি এবং বিদ্যালয়ের মান উন্নয়ন
 - (d) আর্থিক ব্যবস্থাপনা এবং সামাজিক নিরীক্ষা

- (e) অন্তর্ভুক্তিমূলক শিক্ষাগত পদ্ধতি
 - (f) জাতীয় শিক্ষানীতি (এন.ই.পি), 2020-এ বর্ণিত প্রধান অগ্রাধিকারসমূহ
 - (g) ডিজিটাল সাক্ষরতা এবং শিক্ষা প্রযুক্তির ব্যবহার
 - (h) বিদ্যালয়ের নিরাপত্তা এবং শিক্ষার্থীদের কল্যাণ
- iii. দলের সদস্যদের পরিচিতিমূলক অধিবেশনগুলি যতটা সম্ভব সরাসরি বা ফিজিক্যাল মোডে পরিচালনা করা উচিত। প্রয়োজন অনুযায়ী পরবর্তীতে এটি অনলাইন এবং সরাসরি— উভয় মিশ্র (ব্লেণ্ড) মোডে পরিচালনা করা যেতে পারে। স্থানীয় প্রেক্ষাপট সম্পর্কে সম্যক অবগত এমন স্থানীয় বিশেষজ্ঞ এবং শিক্ষাবিদদের এই প্রক্রিয়ায় অন্তর্ভুক্ত করা উচিত। প্রশিক্ষণ সফলভাবে সমাপ্ত করার পর শংসাপত্র প্রদানের বিষয়টি অগ্রাধিকার পেতে পারে।
- iv. রাজ্য এবং কেন্দ্রশাসিত অঞ্চলগুলিকে স্বেচ্ছাসেবামূলক কাজ, সাক্ষরতা কার্যক্রম পরিচালনা করতে অথবা মিশ্র লার্নিং মডিউল, রিফ্রেশার ট্রেনিং এবং সমবয়সীদের সাথে শেখার (পিয়ার লার্নিং) সুযোগ প্রদানের জন্য ন্যাশনাল ইনিশিয়েটিভ ফর স্কুল হেডস অ্যান্ড টিচার্স হোলিস্টিক অ্যাডভান্সমেন্ট (নিষ্ঠা), ডিজিটাল ইনফ্রাস্ট্রাকচার ফর নলেজ শেয়ারিং (দীক্ষা) এবং উল্লাস (ইউ.এল.এল.এ.এস)-এর মতো জাতীয় ডিজিটাল প্ল্যাটফর্মগুলি ব্যবহারের জন্য উৎসাহিত করা যেতে পারে। প্রয়োজন অনুযায়ী পরিমার্জন বা পরিবর্তনের মাধ্যমে বিদ্যমান মডিউলগুলিও রাজ্য বা কেন্দ্রশাসিত অঞ্চলগুলি ব্যবহার করতে পারে। বার্ষিক প্রশিক্ষণের পাশাপাশি, রাজ্য ও কেন্দ্রশাসিত অঞ্চলগুলি বিদ্যালয় পরিচালনা কমিটির (এস.এম.সি) সদস্যদের মধ্যে পারস্পরিক শিখন বা মেন্টরিং সেশনের আয়োজন করতে পারে, যেখানে অভিজ্ঞ সদস্যরা নতুন কমিটির সাথে তাদের ভালো অভিজ্ঞতা ও পদ্ধতিগুলি ভাগ করে নেবেন।

7. আর্থিক ব্যবস্থাপনা এবং সামাজিক নিরীক্ষা

- i. স্বচ্ছ এবং দায়বদ্ধ আর্থিক ব্যবস্থাপনা এস.এম.সি-র একটি মৌলিক দায়িত্ব। এস.এম.সি-র কার্যাবলি সম্পাদনের জন্য প্রাপ্ত সমস্ত তহবিল বিশেষভাবে এস.এম.সি সংক্রান্ত আর্থিক ব্যবস্থাপনার জন্য সভাপতি এবং সদস্য সচিবের নামে একটি পৃথক যৌথ ব্যাল্ক অ্যাকাউন্টে রাখতে হবে। বিদ্যালয়ের হিসাবপত্র সঠিকভাবে রক্ষণাবেক্ষণ এবং সমস্ত সংশ্লিষ্ট নথিপত্রের নিরাপদ সংরক্ষণের জন্য অধ্যক্ষ বা প্রধান শিক্ষক দায়ী থাকবেন।
- ii. **30 লক্ষ টাকা` পর্যন্ত ব্যয়ের সমস্ত পূর্ত কাজ এস.এম.সি দ্বারা সম্পাদিত হতে পারে। হিসাবের সঠিক নথিপত্র বজায় রাখার পাশাপাশি এস.এম.সি স্বচ্ছ পরিকল্পনা, ক্রয় এবং কাজের বাস্তবায়ন নিশ্চিত করবে। ক্রয় প্রক্রিয়ায় এস.এম.সি-র মাধ্যমে সম্প্রদায়ের অংশগ্রহণ অংশীদারদের মধ্যে কেবল মালিকানা বোধই তৈরি করে না, বরং কেনাকাটায় স্বচ্ছতাও বজায় রাখে।**
- iii. 30 লক্ষ টাকার `বেশি ব্যয়ের পূর্ত কাজ কেন্দ্রীয় সরকারি গণপূর্ত বিভাগ (সি.পি.ডব্লিউ.ডি)-এর সর্বশেষ কাজের নির্দেশিকা এবং/বা রাজ্য সি.পি.ডব্লিউ.ডি-র কাজের পদ্ধতি অনুযায়ী উন্মুক্ত দরপত্রের মাধ্যমে সম্পন্ন করা যেতে পারে। স্বচ্ছতা, গুণমান এবং সময়মতো কাজ শেষ করা নিশ্চিত করতে এস.এম.সি দরপত্র চূড়ান্তকরণ এবং প্রকল্পের বাস্তবায়নের

সমস্ত স্তরে অংশগ্রহণ করতে পারে।

- iv. বিদ্যালয়ে গৃহীত রক্ষণাবেক্ষণ ও মেরামতের কাজের জন্য এস.এম.সি সদস্য শংসাপত্র প্রদান করতে পারেন, যার জন্য প্রযুক্তিগত নিয়মাবলি অনুসরণ করা আবশ্যিক। ব্যয়ের পরিমাপ সম্পর্কে জানার জন্য সম্প্রদায়ের অধিকারকে সম্পূর্ণ সম্মান জানাতে হবে। বিদ্যালয় বা কমিটি স্তরে ক্রয় করা যেতে পারে এমন সম্ভাব্য জিনিসপত্রের তালিকা **অ্যানেক্সার-III-এ** দেওয়া হয়েছে।
- v. একটি পৃথক ক্যাশ বুক, ব্যাল্ক পাসবুক এবং ক্রয় সংক্রান্ত নথিপত্র রক্ষণাবেক্ষণ করতে হবে। সমস্ত আর্থিক লেনদেন এই ক্যাশ বুক লিপিবদ্ধ করতে হবে।
- vi. প্রতি মাসে ব্যাল্ক রিকনসিলিয়েশন বা ব্যালেন্স মেলানোর কাজ করতে হবে এবং তার স্বাক্ষরিত বিবরণ একটি রেজিস্টারে বা ক্যাশ বুক অংশ হিসেবে সংরক্ষণ করতে হবে। ভাউচারগুলোর জন্য একটি পৃথক ফাইল রাখতে হবে, যা ক্যাশ বুক সাথে সঠিকভাবে সংযুক্ত এবং ক্রমিক সংখ্যায়ুক্ত থাকবে।
- vii. স্টক রেজিস্টার এবং স্থায়ী সম্পদ রেজিস্টার এস.এম.সি-র মাধ্যমে রক্ষণাবেক্ষণ ও আপডেট করতে হবে। এই রেজিস্টারের বার্ষিক ভৌত যাচাইকরণ করা আবশ্যিক।
- viii. বিদ্যালয়ের তহবিল যেকোনো সময় অভ্যন্তরীণ বা বিভাগীয় কর্মকর্তাদের দ্বারা অডিট বা নিরীক্ষার আওতাভুক্ত হবে এবং এস.এম.সি প্রতিটি অর্থবর্ষের শেষে বার্ষিক হিসাব জমা দেওয়ার জন্য দায়বদ্ধ থাকবে। এটি জমা না দিলে পরবর্তী কোনো অনুদান অনুমোদিত হবে না।
- ix. অডিট চলাকালীন এই নথিপত্রগুলি অবশ্যই সহজলভ্য রাখতে হবে। হিসাবপত্র এস.এম.সি-র সভাপতি/সহ-সভাপতি এবং আস্থায়ক/সদস্য সচিবের দ্বারা যথাযথভাবে স্বাক্ষরিত হতে হবে এবং তা তৈরির এক মাসের মধ্যে স্থানীয় কর্তৃপক্ষের কাছে জমা দিতে হবে অথবা বিদ্যালয়ের নোটিশ বোর্ডে টাঙিয়ে দিতে হবে।
- x. বিদ্যালয়ের পরিকাঠামোর জন্য বরাদ্দ অনুদান, কম্পোজিট বিদ্যালয় গ্রান্ট এবং শিশুদের বিনামূল্যে পাঠ্যপুস্তক, ইউনিফর্ম ও বৃত্তির মতো সুযোগ-সুবিধাগুলি সমগ্র শিক্ষা প্রকল্পের অনুমোদিত নিয়ম অনুযায়ী কঠোরভাবে এস.এম.সি-র সহযোগিতায় ব্যবহার করতে হবে।
- xi. স্বচ্ছতা জোরদার করার জন্য, এস.এম.সি অগ্রাধিকার ভিত্তিতে আয় ও ব্যয়ের **ডিজিটাল রেকর্ড সংরক্ষণ করতে পারে**। আর্থিক রেকর্ড, মিটিংয়ের কার্যবিবরণী এবং অডিট সারাংশ বিদ্যালয়ের নোটিশ বোর্ডে প্রদর্শন করা যেতে পারে।
- xii. স্বচ্ছতা এবং দায়বদ্ধতা আরও বৃদ্ধি করার জন্য, এস.এম.সি-কে শিক্ষা মন্ত্রকের বিদ্যালয় শিক্ষা ও সাক্ষরতা বিভাগ কর্তৃক প্রকাশিত 'সমগ্র শিক্ষা অভিযানের সামাজিক নিরীক্ষার নির্দেশিকা' অনুসরণ করে **প্রতি শিক্ষাবর্ষে অন্তত একবার সোশ্যাল অডিট বা সামাজিক নিরীক্ষা পরিচালনা করতে** উৎসাহিত করা হচ্ছে। এর বিস্তারিত গাইডলাইন এই লিঙ্কে পাওয়া যাবে: শিক্ষা (https://www.education.gov.in/sites/upload_files/mhrd/files/Guidelines_for_Social_Audit_of_Samagra_Shiksha_scheme.pdf)।

8. বিভিন্ন মন্ত্রক/দপ্তরের সাথে একত্রিত হয়ে সম্পদের সদ্যবহার

সম্পদের দক্ষ ব্যবহার নিশ্চিত করতে এবং কাজের পুনরাবৃত্তি এড়াতে এস.এম.সি অন্যান্য সরকারি দপ্তর এবং স্থানীয় সংস্থাগুলির সাথে সমন্বয় করে বিদ্যালয়ের বিভিন্ন কার্যক্রমের পরিকল্পনা ও বাস্তবায়ন করতে পারে। সরকারের সামগ্রিক দৃষ্টিভঙ্গির অধীনে এই সমন্বয় শিক্ষার্থীদের পারফরম্যান্স, বিদ্যালয়ের পরিকাঠামো, স্বাস্থ্য, পুষ্টি, দক্ষতা এবং বিভিন্ন সামাজিক উদ্যোগকে শক্তিশালী করতে সহায়তা করবে। সংশ্লিষ্ট দপ্তর এবং কার্যক্রমের একটি উদাহরণ তালিকা নিচে দেওয়া হলো:

i. স্বাস্থ্য ও পরিবার কল্যাণ বিভাগ

- শিক্ষকদের স্বাস্থ্য ও কল্যাণ দূত হিসেবে সহায়তা প্রদানের মাধ্যমে বিদ্যালয় স্বাস্থ্য কর্মসূচী (এস.এইচ.পি) কার্যকর করা।
- ঋতুস্রাবকালীন স্বাস্থ্যবিধি সংক্রান্ত পরিকল্পনা (এম.এইচ.এস)-এর মাধ্যমে পরিচ্ছন্নতা বৃদ্ধি করুন—স্যানিটারি পণ্য এবং বর্জ্য নিষ্কাশন ব্যবস্থার প্রাপ্যতা নিশ্চিত করা।
- স্থানীয় স্বাস্থ্য কর্তৃপক্ষের সহযোগিতায় বার্ষিক স্বাস্থ্য, সুস্থতা এবং পুষ্টি শিবিরের আয়োজন করুন।
- 'তামাকমুক্ত শিক্ষা প্রতিষ্ঠান' নির্দেশিকা কার্যকর করার জন্য।
- বিদ্যালয় স্বাস্থ্য কর্মসূচি, যার মধ্যে কৃমিনাশক এবং ক্ষুদ্র পুষ্টি উপাদানের সম্পূরক প্রদান অন্তর্ভুক্ত; বিশেষ করে ঝুঁকিপূর্ণ গোস্ঠী এবং বয়ঃসন্ধির পথে থাকা মেয়েদের প্রতি বিশেষ নজর দেওয়া হবে।

ii. গ্রামীণ এবং পল্লি উন্নয়ন সংক্রান্ত বিভাগ

বিদ্যালয়ের পরিকাঠামো নির্মাণ এবং 'বালা' (বি.এ.এল.এ) বৈশিষ্ট্যগুলি শক্তিশালী করার জন্য প্রয়োজনীয় যেকোনো নির্মাণকাজে বিকশিত ভারত – কর্মসংস্থান ও জীবিকার নিশ্চয়তা মিশন – গ্রামীণ (ভি.বি-জি আর.এ.এম জি) তহবিলের ব্যবহার সহজতর করা।

iii. নগর উন্নয়ন বিভাগ

এস.এম.সি মিউনিসিপ্যাল কর্পোরেশন এবং নগর পঞ্চায়েতের মতো শহুরে স্থানীয় সংস্থাগুলি (ইউ.এল.বি) থেকে অটল মিশন ফর রিজুভেনটিং অ্যান্ড আরবান ট্রান্সফরমেশন (এ.এম. আর.ইউ.টি^৫) এবং স্বচ্ছ ভারত মিশনের (এস.বি.এম^৬) মতো প্রকল্পগুলির অধীনে সহায়তা পেতে পারে।

iv. পানীয় জল এবং স্বাস্থ্যবিধান সংক্রান্ত বিভাগ

- স্বচ্ছ ভারত মিশনের (এস.বি.এম) অধীনে পরিষ্কার শৌচালয় এবং হাত ধোয়ার স্থান সঠিকভাবে রক্ষণাবেক্ষণ করা।
- ঋতুস্রাবকালীন স্বাস্থ্যবিধি ব্যবস্থাপনা (এম.এইচ.এম)-এর মাধ্যমে ঋতুস্রাবকালীন পরিচ্ছন্নতা এবং নিরাপদ বর্জ্য অপসারণ পদ্ধতিকে উৎসাহিত করা।
- জলই জীবন মিশন (জে.জে.এম)-এর মাধ্যমে বিদ্যালয়ে নিরাপদ ও পর্যাপ্ত পানীয়

^৫ অমৃত (AMRUT) প্রকল্পের অধীনে, পৌরসভাগুলি জল সরবরাহ, পয়ঃনিষ্কাশন ব্যবস্থা, সবুজ চত্বর, শৌচাগার সুবিধা, খেলার মাঠ এবং উন্নত যোগাযোগ ব্যবস্থার মতো অপরিহার্য পরিকাঠামো প্রদান করে।

^৬ স্বচ্ছ ভারত মিশন বৈজ্ঞানিক কঠিন বর্জ্য ব্যবস্থাপনার মাধ্যমে বিদ্যালয় প্রাঙ্গণকে "আবর্জনা-মুক্ত" রাখে এবং শহরাঞ্চলে কার্যকরী গ্রে ও ব্ল্যাক-ওয়াটার নিষ্কাশন নিশ্চিত করে।

জলের সুব্যবস্থা নিশ্চিত করা।

v. মহিলা এবং শিশু বিকাশ সংক্রান্ত সরকারি বিভাগ

- (a) শিশু সুরক্ষা পরিষেবা (সি.পি.এস)-এর মাধ্যমে নিরাপদ স্থান এবং রেফারেল ব্যবস্থা তৈরি করুন।
- (b) আর.টি.ই আইনের অধীনে শিশুদের অধিকার নিশ্চিত করার জন্য শিশু অধিকার সুরক্ষা বিষয়ক রাজ্য কমিশন (এস.আর.পি.সি.আর)-এর সঙ্গে ঘনিষ্ঠভাবে কাজ করা।
- (c) অগ্ননওয়াড়ি কেন্দ্র এবং বিদ্যালয়ের মধ্যে সমন্বয় আরও উন্নত করা।

vi. দক্ষতা উন্নয়ন এবং উদ্যোক্তা বিষয়ক বিভাগ

- (a) দক্ষতা উন্নয়নমূলক কার্যক্রমে সমন্বয় করা।
- (b) স্থানীয় শিল্পের প্রয়োজন অনুযায়ী শিক্ষার্থীদের কর্মজীবন বেছে নিতে সহায়তা করা।

vii. সামাজিক ন্যায়বিচার ও ক্ষমতায়ন বিভাগ

- (a) সি.ডব্লিউ.এস.এন শিক্ষার্থীদের জন্য ডি.ডি.আর.এস প্রকল্প ব্যবহার করা।
- (b) যোগ্য অনগ্রসর শ্রেণিভুক্ত (ও.বি.সি) শিক্ষার্থীদের চিহ্নিত করে এবং আবেদন প্রক্রিয়ায় সহায়তা করার মাধ্যমে উজ্জ্বল ভারত তৈরি করতে প্রধানমন্ত্রী তরুণ কৃতি শিক্ষার্থী বৃত্তি প্রকল্প (পি.এম-যশস্বী) বৃত্তিকে উৎসাহিত করা।
- (c) বিশেষ চাহিদাসম্পন্ন শিশুদের মূলধারার শিক্ষার জন্য প্রস্তুত করতে প্রাথমিক হস্তক্ষেপমূলক কর্মসূচিগুলিতে সহায়তা করা।
- (d) নেশামুক্ত বিদ্যালয় নিশ্চিত করার জন্য সহায়তা প্রদান করা।

viii. যুব বিষয়ক ও ক্রীড়া বিভাগ

- (a) খেলো ইন্ডিয়া উদ্যোগের অধীনে বিদ্যালয় স্তরে ক্রীড়া প্রতিযোগিতার আয়োজন করুন।
- (b) খেলাধুলার উন্নয়নের জন্য জাতীয় কর্মসূচির মাধ্যমে ক্রীড়া পরিকাঠামোর মানোন্নয়ন করুন।
- (c) সৃজনশীলতা এবং দলগত সংহতি বৃদ্ধির জন্য জাতীয় বিদ্যালয় ব্যান্ডপ্রতিযোগিতায় অংশগ্রহণে উৎসাহিত করা।
- (d) বিদ্যালয়ের পড়ুয়ার জন্য গণ-ক্রীড়া সুবিধাগুলির ব্যবহারের সুযোগ দেওয়া।
- (e) বিভিন্ন খেলার শিক্ষক ও বিশেষজ্ঞদের সহায়তা নিন এবং যোগব্যায়াম প্রশিক্ষকের ব্যবস্থা করুন।

ix. আইন এবং বিচার বিভাগ

- (a) পকসো (পি.ও.সি.এস.ও) আইনসহ শিশু সুরক্ষা সংক্রান্ত সমস্ত আইন মেনে চলা নিশ্চিত করা।
- (b) শিক্ষার্থী, অভিভাবক এবং কর্মীদের জন্য আইনি সচেতনতামূলক অধিবেশন পরিচালনা করুন।

- (c) বুলি, মানসিক ও শারীরিক নির্যাতনের বিরুদ্ধে অভিযোগ জানানোর জন্য সুস্পষ্ট ব্যবস্থা গড়ে তুলুন।

x. স্বরাষ্ট্র বিভাগ

- (a) শিশু সুরক্ষা আইন কার্যকর করার জন্য স্থানীয় পুলিশের সাথে সহযোগিতা করুন।
 (b) নিয়মিত নিরাপত্তা সম্পর্কিত পর্যালোচনা (সেফটি অডিট) এবং জরুরি পরিস্থিতির জন্য প্রস্তুতি ড্রিল পরিচালনা করা।
 (c) পকসো আইনের অধীনে ঘটনা সামলাতে কর্মীদের প্রশিক্ষণ নিশ্চিত করা।

xi. পঞ্চায়েত রাজ বিভাগ

- (a) বিদ্যালয়ের উন্নয়নমূলক প্রকল্পের জন্য স্থানীয় স্বেচ্ছাসেবকদের সংগঠিত করুন।
 (b) গ্রামীণ ও শহুরে উভয় অঞ্চলেই বিদ্যালয় ও সম্প্রদায়ের মধ্যে যোগাযোগ ও অংশগ্রহণ আরও শক্তিশালী করা।
 (c) বিদ্যালয় বা প্রতিষ্ঠানের জন্য পঞ্চায়েতি রাজ প্রতিষ্ঠানের কাছে উপলব্ধ যে কোনও সম্পদের যথাযথ ব্যবহার নিশ্চিত করা।
 (d) তিথি ভোজন পরিচালনা করা

9. এস.এম.সি-গুলির পর্যবেক্ষণ এবং সহায়তা

এস.এম.সি-র কার্যক্রম পর্যবেক্ষণ ও সহায়তার জন্য একটি ব্যবস্থা থাকা প্রয়োজন। ব্লক ও জেলা শিক্ষা কর্মকর্তাদের উচিত সহজ চেকলিস্ট ব্যবহারের মাধ্যমে বছরে দুবার এস.এম.সি-র কর্মদক্ষতা পর্যালোচনা করা। শাস্তিমূলক ব্যবস্থার পরিবর্তে কর্মদক্ষতা বৃদ্ধির জন্য নিকটবর্তী বিদ্যালয়গুলোর মধ্যে সহযোগিতামূলক তত্ত্বাবধান এবং সম্মিলিত শিখন প্রক্রিয়ায়



উৎসাহিত করা উচিত। এস.এম.সি-র কার্যকারিতা পরিমাপ করার জন্য মিটিং নিবন্ধনের (মিটিংস রেজিস্টার) প্রথম পৃষ্ঠায় একটি চেকলিস্ট থাকা উচিত, যেখানে প্রতি বছর কতগুলো মিটিং হয়েছে, উপস্থিতির হার, গৃহীত সিদ্ধান্ত, তহবিলের ব্যবহার ইত্যাদি সাধারণ সূচকগুলো অনুসরণ করা যেতে পারে। সরাসরি মিটিং করা সম্ভব না হলে বিদ্যালয়গুলো হোয়াটসঅ্যাপ বা গুগল মিটের মতো মাধ্যম ব্যবহার করে ভার্চুয়াল বা হাইব্রিড মোডে এস.এম.সি মিটিং পরিচালনা করতে পারে। মাসিক মিটিংয়ে ফিডব্যাক বক্সের মাধ্যমে প্রাপ্ত মতামত নিয়ে এস.এম.সি আলোচনা করতে পারে। নির্বাচন বা কার্যক্রম পরিচালনার সময় কোনো বিরোধ দেখা দিলে তা ব্লক শিক্ষা কর্মকর্তা (বি.ই.ও) বা অন্য কোনো নির্ধারিত কর্তৃপক্ষ সমাধান করতে পারেন।

10. উপসংহার

বিদ্যালয়গুলোকে প্রাণবন্ত শিখন বাস্তুসংস্থানে রূপান্তর করার জন্য প্রয়োজন **সম্মিলিত মালিকানা**, যেখানে **এস.এম.সি** হবে সামষ্টিক অংশগ্রহণের প্রাথমিক প্রাতিষ্ঠানিক ভিত্তি। সামাজিক অংশগ্রহণকে প্রতীকী সহযোগিতার উর্ধ্বে উঠে **সুসংগঠিত, নিরবচ্ছিন্ন এবং পদ্ধতিগত অংশগ্রহণে** পরিণত হতে হবে। অভিভাবক, প্রাক্তন শিক্ষার্থী, স্থানীয় সংস্থা, নাগরিক সমাজ সংগঠন (সি.এস.ও), কর্পোরেট এবং নাগরিকরা **পরস্পর সম্পর্কযুক্ত বিভিন্ন উপায়ে** শিক্ষা প্রদান, সাম্য এবং দায়বদ্ধতা শক্তিশালী করতে এস.এম.সি-র মাধ্যমে সমন্বিতভাবে অবদান রাখতে পারেন।

বিদ্যালয়গুলিকে শক্তিশালী করার জন্য শিক্ষাকে কেবল **সরকারের দায়িত্ব** হিসেবে দেখার পরিবর্তে একে **সমাজের একটি যৌথ লক্ষ্য** হিসেবে স্বীকৃতি দেওয়া প্রয়োজন। বিদ্যালয়গুলিকে **সামাজিক সম্পদ** হিসেবে বিবেচনা করতে হবে — যা সকলের জন্য অন্তর্ভুক্তিমূলক এবং লালনপালনকারী একটি স্থান। এস.এম.সি-র মাধ্যমে অভিভাবক, প্রাক্তন ছাত্র, স্থানীয় নেতা, স্বেচ্ছাসেবক এবং বেসরকারি অংশীদারসহ প্রতিটি পক্ষই পরবর্তী প্রজন্মকে গড়ে তোলার ক্ষেত্রে তাৎপর্যপূর্ণ ভূমিকা পালন করতে পারে। যখন সমাজ ক্ষমতাসালী এস.এম.সি-র মাধ্যমে **জনশিক্ষার রক্ষক** হিসেবে কাজ করে, তখন সংস্কারগুলি স্থানীয়ভাবে গৃহীত, সংবেদনশীল এবং স্থায়ী হয়ে ওঠে।

সারা দেশের বিদ্যালয়গুলি **কোটি কোটি শিশুকে** সেবা প্রদান করছে, তাদের সুযোগ, মর্যাদা এবং সাম্য নিশ্চিত করছে এবং **জাতীয় উন্নয়ন ও সামাজিক সংহতির** প্রধান স্তম্ভ হিসেবে বিদ্যমান রয়েছে। এস.এম.সি-র নেতৃত্বাধীন স্বেচ্ছাসেবা, পরামর্শদান, উদ্ভাবন, সম্পদ সংগ্রহ এবং অংশগ্রহণমূলক শাসনের মাধ্যমে সমাজ এই প্রতিষ্ঠানগুলিকে অর্থবহভাবে শক্তিশালী করতে পারে। **এন.ই.পি 2020-এর “সবার জন্য গুণগত শিক্ষা”র লক্ষ্যকে** এগিয়ে নিয়ে যাওয়ার মাধ্যমে এবং এস.এম.সি-র মাধ্যমে সমাজ-চালিত মালিকানা বৃদ্ধি করে, ভারত তার বিদ্যালয়গুলিকে **অন্তর্ভুক্তিমূলক, গতিশীল এবং জাতি গঠনের শিক্ষা কেন্দ্রে** রূপান্তর করতে পারে।

এস.এম.সি-র ধারা-3-এ উল্লিখিত ভূমিকা ও দায়িত্বসমূহ ছাড়াও, এস.এম.সি নিম্নলিখিত কার্যক্রমগুলি পরিচালনা বা পর্যবেক্ষণ করতে পারে:

- ◆ একটি পরিষ্কার, নিরাপদ, নান্দনিকভাবে সমৃদ্ধ এবং নৈতিক পরিবেশ প্রদান করা
- ◆ প্রাত্যহিক সমাবেশ বা অ্যাসেম্বলির মতো দৈনন্দিন রুটিন অনুসরণ করা
- ◆ প্রতিকারমূলক পাঠদান এবং সুবিধাবঞ্চিত শিক্ষার্থীদের জন্য অধ্যয়নের স্থানের মতো ব্যবস্থা নিশ্চিত করা
- ◆ শিক্ষাদানের ক্ষেত্রে স্থানীয় প্রেক্ষাপট অনুযায়ী উদ্ভাবনী পদ্ধতিকে উৎসাহিত ও সহজতর করা
- ◆ শিখন-শিক্ষণ উপকরণের সহজলভ্যতা নিশ্চিত করা
- ◆ ভারতীয় ঐতিহ্যের সঙ্গে যুক্ত প্রদর্শনী এবং কার্যক্রমকে উৎসাহিত করা
- ◆ পরিচ্ছন্নতা, সকলের অংশগ্রহণ, শ্রদ্ধা, শৃঙ্খলা এবং সহমর্মিতার মতো মূল্যবোধগুলো দৈনন্দিন অভ্যাসে পরিণত করা
- ◆ অভিভাবক-শিক্ষক-স্থানীয়দের মধ্যে নিয়মিত আলাপ-আলোচনা আয়োজন করতে সহায়তা করা
- ◆ শিক্ষকদের পেশাগত মর্যাদা রক্ষা করা
- ◆ সামাজিক সহযোগিতার মাধ্যমে শিক্ষকদের সহায়তা করা
- ◆ প্রথম প্রজন্মের শিক্ষার্থীদের অন্তর্ভুক্তিতে সহায়তা করা
- ◆ লিঙ্গ বৈষম্য দূর করা এবং সামাজিক সাম্য নিশ্চিত করা
- ◆ প্রতিটি শিশুর আবেগীয় নিরাপত্তা এবং মর্যাদা নিশ্চিত করা

বিদ্যালয় উন্নয়ন পরিকল্পনার বিস্তারিত নির্দেশিকা নীতিসমূহ:

বিদ্যালয়টিকে একটি অন্তর্ভুক্তিমূলক এবং শিক্ষাগতভাবে সমৃদ্ধ, স্থিতিশীল বাস্তুতন্ত্র হিসেবে কল্পনা করা হয়েছে, যা সমস্ত বিপদ থেকে নিরাপদ ও সুরক্ষিত। এটি পরিবেশবান্ধব ভবন নির্মাণের নিয়মাবলী মেনে চলে এবং সাংস্কৃতিক ও পরিবেশগতভাবে স্থায়ী অনুশীলনের মাধ্যমে সম্পদের সর্বোচ্চ সদ্ব্যবহার নিশ্চিত করে। বিদ্যালয় উন্নয়ন পরিকল্পনার নির্দেশিকাগুলি হলো:

- ◆ শিক্ষা পরিকল্পনার ওপর ভিত্তি করে পরিকাঠামো পরিকল্পনা গড়ে তোলা।
- ◆ শিশুর সামগ্রিক বিকাশের (শারীরিক, সামাজিক, আবেগজনিত এবং জ্ঞানভিত্তিক) দিকে লক্ষ্য রেখে শিশু-কেন্দ্রিক পরিকল্পনা গ্রহণ।
- ◆ সমস্ত শিশুর চাহিদা এবং তাদের বৈচিত্র্যের প্রতি সংবেদনশীল হওয়া।
- ◆ পুরো বিদ্যালয় চত্বরকে (অভ্যন্তরীণ ও বহিরাঙ্গন) শিশু ও শিক্ষকের জন্য একটি নিরবচ্ছিন্ন শিখন ক্ষেত্র হিসেবে বিবেচনা করা এবং পরিকল্পনা করার সময় সমস্ত অংশীদারদের এটি মনে রাখা।
- ◆ বি.এ.এল.এ-র ধারণা ব্যবহার করে পুরো বিদ্যালয় চত্বরকে আনন্দ ও শিখন কার্যক্রমের সম্পদ হিসেবে গড়ে তোলা।
- ◆ সকল শিশুর জন্য একটি নিরাপদ ও সুরক্ষিত পরিবেশ নিশ্চিত করা। সকল শিশুর জন্য পরিষ্কার ও স্বাস্থ্যকর পরিবেশ বজায় রাখা।
- ◆ সমগ্র বিদ্যালয়কে সর্বোচ্চভাবে একটি শিক্ষা-পরিসর হিসেবে ব্যবহার করা – শুধুমাত্র সেই বিদ্যালয়ের শিক্ষার্থী ও শিক্ষকদের জন্যই নয়, বরং স্থানীয় সমাজ এবং পার্শ্ববর্তী বিদ্যালয়গুলির জন্যও।
- ◆ স্থানীয় প্রেক্ষাপট ও ঐতিহ্যের প্রতি শ্রদ্ধাশীল হওয়া – যেমন জ্ঞান, সামাজিক ও শিক্ষাগত চাহিদা, সংস্কৃতি, ভূপ্রকৃতি, জলবায়ু, উদ্ভিদ ও প্রাণিকুল ইত্যাদি।
- ◆ সম্পদের সর্বোত্তম ব্যবহার এবং ব্যয়-সাশ্রয়ী হওয়া।
- ◆ পরিবেশগতভাবে স্থিতিশীল নকশার ভালো দিকগুলিকে অন্তর্ভুক্ত করা – যাতে সেগুলি প্রদর্শন ও অনুশীলন করা যায়।
- ◆ বিদ্যালয় প্রাঙ্গণের সামগ্রিক উন্নয়নের জন্য সহজে ব্যবহারযোগ্য নতুন প্রযুক্তি গ্রহণ করা।
- ◆ বিদ্যালয় সংলগ্ন এলাকার জনসংখ্যার গতিপ্রকৃতির সঙ্গে সামঞ্জস্য রেখে সামগ্রিক পরিকল্পনা করা।
- ◆ ভবিষ্যতে সম্প্রসারণের সুযোগ রাখা।

বিদ্যালয়ের পরিকল্পনা, রূপায়ণ এবং নির্মাণের সময় এটি নিশ্চিত করতে হবে যে পরিবেশ, স্বাস্থ্য এবং সুরক্ষা ব্যবস্থার উন্নতির পদক্ষেপগুলি (i) শিক্ষা মন্ত্রণালয়ের 'বিদ্যালয়ের নিরাপত্তা ও সুরক্ষা বিধি, 2021', (ii) জাতীয় বিপর্যয় মোকাবিলা কর্তৃপক্ষ (এন.ডি.এম.এ) কর্তৃক 2016 সালে জারি করা 'জাতীয় বিপর্যয় মোকাবিলা নির্দেশিকা: বিদ্যালয় সুরক্ষা নীতি' এবং (iii) সময় সময় বিধিবদ্ধ কর্তৃপক্ষের দ্বারা নির্ধারিত রাজ্য ও স্থানীয় উপ-আইনসমূহের নির্দেশিকা অনুযায়ী অন্তর্ভুক্ত করা হয়েছে।

বিদ্যালয় বা কমিটি পর্যায়ে ক্রয়ের জন্য নির্দেশিত সামগ্রীর তালিকা:

- ◆ পোশাক (ইউনিফর্ম)
- ◆ বিদ্যালয় এবং সংশ্লিষ্ট হোস্টেল ভবনগুলির সমস্ত নির্মাণ সংক্রান্ত কাজ।
- ◆ আসবাবপত্র।
- ◆ শিখন-শিক্ষণ সামগ্রী (টি.এল.এম) এবং পাঠ্যপুস্তক।
- ◆ বিদ্যালয়ের অনুদান থেকে বিদ্যালয়ের উন্নতির জন্য প্রয়োজনীয় সরঞ্জাম এবং অন্যান্য সামগ্রী।
- ◆ রক্ষণাবেক্ষণ অনুদান থেকে বিদ্যালয় ভবনের রক্ষণাবেক্ষণ।
- ◆ মেরামত অনুদান থেকে বিদ্যালয় ভবনের মেরামত।
- ◆ শিখন মানোন্নয়ন কর্মসূচি (এল.ই.পি)-র অধীনে প্রয়োজনীয় অতিরিক্ত শিখন-শিক্ষণ সামগ্রী এবং অন্যান্য উপকরণ।
- ◆ পরীক্ষাগারের সরঞ্জাম।

